www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g
चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 बोझ के बजाय सुगमता बढ़ाएं कानून, पुराने नियम-कायदों को आसान और नए डिजिटल तरीके अपनाने होंगे

ट्रंप के 40% टैरिफ लगाने पर म्यांमार ने खुशी जताई 06

वर्ष :17 | अंक :102 | प्रयागराज, रविवार 13 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

बिहार के पटना में किराना दुकानदार की गोली मारकर हत्या

बिहार की राजधानी पटना के रामकृष्ण नगर में एक अज्ञात व्यक्ति ने किराना दुकान के मालिक की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार शाम हुई और मृतक की पहचान विक्रम झा के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक (पटना पूर्वी) परिचय कुमार ने संवाददाताओं से कहा, पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और दुकानदार को नजदीकी अस्पताल ले गई जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने कहा कि हत्या के पीछे की सही वजह अभी पता नहीं चल पाई है तथा मामले की जांच जारी है। कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और अपराधी की तलाश जारी है।

भरतपुर में गैस टैंकर ने दंपति को कुचला

राजस्थान में भरतपुर के सारस चौक के पास एक गैस टैंकर की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार दंपति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सारस चौकी प्रभारी सहायक उपनिरीक्षक एएसआई राधा किशन के अनुसार, यह दर्दनाक हादसा सुबह हुआ। उन्होंने बताया कि हेलक गांव निवासी नेत्रपाल गुर्जर (36) और उनकी पत्नी कृपा (32) बाइक पर कहीं जा रहे थे, तभी जयपुर से आगरा जा रहे गैस टैंकर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी, इस घटना में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि टैंकर चालक वाहन छोड़कर भाग गया। किशन ने बताया कि पेशे से किसान नेत्रपाल अपने बच्चों – बेटी निधि (19) एवं नेहा (18) और बेटे दुर्गेश (15), से मिलने भरतपुर गए थे। उन्होंने बताया कि ये बच्चे पढाई के लिए पुलिस लाइन इलाके में अपने मामा के घर रह रहे थे। पुलिस ने बताया कि टैंकर को जब्त कर लिया गया है और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार चालक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर: प्रधानमंत्री मोदी

पीएम मोदी ने 51 हजार नौजवानों को सौंपा नियुक्ति पत्र, बोले- हर व्यक्ति के पास आगे बढ़ने का अवसर

रोजगार मेल

▶▶ मोदी ने कहा कि भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम को मंजूरी दी है – रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना। इस योजना के तहत सरकार प्राइवेट सेक्टर में पहली बार रोजगार पाने वाले युवा को 15 हजार रुपए देगी, यानी पहली नौकरी की पहली सैलरी में सरकार अपना योगदान देगी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए रोजगार मेले के 16वें संस्करण में विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों में नवनियुक्त 51,000 से ज्यादा उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि रोजगार मेला युवा शक्ति को सशक्त बनाने और उन्हें विकसित भारत के निर्माण में उत्प्रेरक बनाने की हमारी सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। नियुक्ति प्राप्त लोगों को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं आप सभी को आपकी इस नई यात्रा के लिए बधाई देता हूँ। दुनिया अब मानती है कि भारत के पास दो शक्तियाँ हैं- जनसांख्यिकी और लोकतंत्र। मैं हाल ही में पाँच देशों की यात्रा से लौटा हूँ। हमने अन्य देशों के साथ जो भी समझौते किए हैं, उनसे हमारे युवाओं को निश्चित रूप से लाभ होगा। सूत्र एक- नागरिक प्रथम। आपको देश के लोगों की सेवा करने का बहुत बड़ा मंच मिला है। आप सभी को बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि भारत सरकार का जोर प्राइवेट सेक्टर में रोजगार के नए अवसरों के निर्माण पर भी है। हाल ही में सरकार ने एक नई स्कीम को मंजूरी दी है - रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना। इस योजना के तहत सरकार प्राइवेट सेक्टर में पहली बार रोजगार पाने वाले युवा को 15 हजार रुपए देगी, यानी पहली नौकरी की पहली सैलरी में सरकार अपना योगदान देगी। इसके लिए सरकार ने करीब 1 लाख करोड़ रुपए का बजट बनाया है, इस योजना से लगभग 3.5 करोड़ रोजगार के निर्माण में मदद मिलेगी। आज भारत की एक बहुत बड़ी ताकत हमारा मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर है।

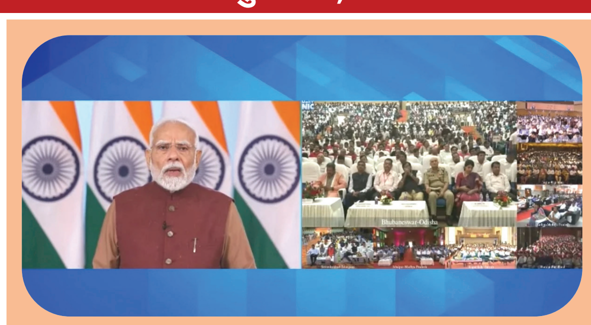

केंद्र सरकार में युवाओं को पक्की नौकरी देने का हमारा अभियान लगातार जारी है

हमारी पहचान भी है बिना पर्ची बिना खर्ची। आज 51000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। ऐसे रोजगार मेलों के माध्यम से अब तक लाखों नौजवानों को भारत सरकार में पक्की नौकरी मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि आप सभी के विभाग अलग-अलग है लेकिन ध्येय एक है और हमारा एक ही ध्येय है चाहे विभाग कोई भी हो, कार्य कोई भी हो, पद कोई भी हो लेकिन एक ही ध्येय है जो कि राष्ट्र सेवा है।

हमारा आदर्श वाक्य है 'बिना पर्ची, बिना खर्ची'

रोजगार मेलों के माध्यम से लाखों युवाओं को रोजगार मिला है और वे राष्ट्र के विकास में योगदान दे रहे हैं. कुछ राष्ट्र की रक्षा करेंगे, कुछ 'सबकी मदद' के योद्धा बनेंगे, कुछ वित्तीय समावेशन मिशन को मजबूत करेंगे और कई अन्य राष्ट्र के औद्योगिक विकास को बढ़ाएंगे. आपके विभाग अलग-अलग हैं, लेकिन शरीर एक है – राष्ट्र की सेवा.'

भारतीय न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई का बड़ा बयान

भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही

> अमेरिकी न्यायाधीश की इस टिप्पणी को प्रधान न्यायाधीश गवई ने उद्धृत किया। इसके अलावा, प्रधान न्यायाधीश ने उत्तीर्ण स्नातकों को सलाह दी कि वे ईमानदारी के लिए मार्गदर्शकों की तलाश करें, न कि उनके प्रभाव के इस्तेमाल के लिए।

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधान न्यायाधीश बी.आर. गवई ने शनिवार को कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है और मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। नालसार विधि विश्वविद्यालय, हैदराबाद में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने छात्रों को सलाह दी कि वे छात्रवृत्ति पर विदेश जाकर अध्ययन करें और परिवार पर वित्तीय बोझ न डालें। उन्होंने कहा, हमारा देश और न्याय व्यवस्था अनोखी चुनौतियों का सामना कर रही है। मुकदमों में देरी कभी-कभी दशकों तक चल सकती है। हमने ऐसे मामले देखे हैं जहाँ विचाराधीन कैदी के रूप में वर्षों जेल में बिताने के बाद भी कोई निर्दोष पाया गया है। हमारी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ हमें उन समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकती हैं जिनका हम सामना कर रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश ने इस संबंध में अमेरिका के वरिष्ठ संघीय जिला न्यायाधीश जेड एस राकॉफ का हवाला दिया। अमेरिकी न्यायाधीश ने अपनी पुस्तक क्यों निर्दोष दोषी ठहराए जाते हैं एवं दोषी मुक्त हो जाते हैं: और हमारी टूटी हुई कानूनी व्यवस्था के अन्य विरोधाभास में लिखा था, हालांकि मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि हमारी न्याय व्यवस्था में सुधार की सख्त जरूरत है, फिर भी मैं पूरी तरह से आशावादी हूँ कि मेरे साथी (नागरिक) इस चुनौती का सामना करेंगे। अमेरिकी न्यायाधीश की इस टिप्पणी को प्रधान न्यायाधीश गवई ने उद्धृत किया। इसके अलावा, प्रधान न्यायाधीश ने उत्तीर्ण स्नातकों को सलाह दी कि वे ईमानदारी के लिए मार्गदर्शकों की तलाश करें, न कि उनके प्रभाव के इस्तेमाल के लिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा भी मौजूद थे।

औरंगजेब का उद्देश्य सनातन को मिटाना था

सीएम योगी बोले- गुरु तेग बहादुर ने दी थी चुनौती

> योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से उनकी यात्रा और 350 वर्षों के संपूर्ण इतिहास को जीवंत किया जा रहा है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरु तेग बहादुर जी के 350वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री आवास पर यात्रा के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसे नवंबर में मनाया जाएगा। इस दौरान सीएम ने एक कार्यक्रम को भी संबोधित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गुरु तेग बहादुर महाराज ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से उनकी यात्रा और 350 वर्षों के संपूर्ण इतिहास को जीवंत किया जा रहा है। योगी ने आगे कहा कि वह युग कैसा रहा होगा जब औरंगजेब जैसा क्रूर और बर्बर शासक था? उस काल में हर जगह अत्याचारों की खबरें आती थीं। औरंगजेब का उद्देश्य सनातन धर्म का उन्मूलन करना था। इस्लामीकरण के अपने व्यापक अभियान में, उसे पहली चुनौती गुरु तेग बहादुर महाराज से ही मिली। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने बलरामपुर में एक बड़ी जांच शुरू की है। आपने देखा होगा कि उसने (जलालुद्दीन उर्फ चिंगुर बाबा) धर्मांतरण के लिए दरें तय कर रखी थीं। उसे विदेशी फंडिंग मिल रही थी। उसके 40 बैंक खातों में 100 करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन पाया गया।

एएआईबी रिपोर्ट : टेकऑफ के तुरंत बाद फ्यूल स्विच हुए बंद

अहमदाबाद प्लेन क्रैश- 15 पेज की रिपोर्ट में खुलासा:दोनों इंजन बंद हुए; एक पायलट ने दूसरे से पूछा- तुमने फ्यूल बंद किया, जवाब- नहीं

> रिपोर्ट में कॉकपिट की नाटकीय आवाजों की रिकॉर्डिंग सामने आई है जिसमें एक पायलट को एहसास हुआ कि उड़ान भरते समय दोनों इंजनों का ईंधन बंद हो गया था, जबकि उसके सहयोगी ने इस बात से इनकार किया कि उसने ऐसा किया था।

एजेंसी

नई दिल्ली , अहमदाबाद प्लेन हादसे के एक महीने बाद शुरूआती जांच रिपोर्ट आ गई है। एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआईबी) ने 12 जुलाई को 15 पेज की रिपोर्ट सार्वजनिक की। प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह हादसा विमान के दोनों इंजन बंद होने की वजह से हुआ था। टेकऑफ के तुरंत बाद एक-एक करके दोनों फ्यूल स्विच बंद हो गए थे, इस वजह से दोनों इंजन भी बंद हो गए। इस दौरान कॉकपिट की रिकॉर्डिंग से पता चला है कि एक पायलट ने दूसरे से पूछा था कि क्या तुमने स्विच बंद किया है? दूसरे ने जवाब दिया, नहीं। अमेरिकी मीडिया न्यूयॉर्क टाइम्स ने एक्सपर्ट के हवाले से कहा है कि रिपोर्ट में शामिल सभी प्वाइंट्स प्लेन में टेक्निकल गड़बड़ी न होने और पायलट से चूक की ओर इशारा कर रहे हैं।

पायलट कोशिश के बाद क्रैश से नहीं बचा पाए

रिपोर्ट के मुताबिक, हादसे वाले विमान में दोनों इंजनों के फ्यूल स्विच बंद थे, जिसके बाद पायलटों ने इसे चालू किया और दोनों इंजन को दोबारा शुरू करने की कोशिश की थी। लेकिन विमान बहुत कम ऊंचाई पर था, इसलिए इंजनों को दोबारा ताकत पाने का समय नहीं मिल सका और विमान क्रैश हो गया। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि फ्यूल स्विच बंद कैसे हुए थे।

आईआईएम कलकत्ता में युवती से रेप, बॉयज हॉस्टल में हुई घटना

कोल्ड ड्रिंक पीने के बाद हुई बेहोश

कोलकाता पुलिस ने आईआईएम कलकत्ता के बॉयज हॉस्टल में युवती को बेहोश उसके साथ रेप करने के आरोप में एक छात्र को गिरफ्तार किया है.

एजेंसी

कोलकाता: दक्षिण कोलकाता लॉ कॉलेज की घटना के बाद में आईआईएम कलकत्ता में एक युवती के साथ रेप की घटना सामने आई है. इस मामले में आईआईएम के द्वितीय वर्ष के एक छात्र को गिरफ्तार किया गया है. आरोप है कि उसने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर युवती को बेहोश कर दिया और फिर उसके साथ कथित तौर पर रेप किया. आरोपी छात्र को शनिवार को अलीपुर अदालत में पेश किया गया. अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सुनवाई के बाद आरोपी को 19 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया. कोलकाता पुलिस के अधिकारी रूपेश कुमार ने कहा, हमने घटना की जांच शुरू कर दी है.

विकसित केरल अब भारतीय जनता पार्टी का मिशन...

तिरुवनंतपुरम में बोले अमित शाह

शाह ने कहा कि विकसित भारत का मार्ग विकसित केरल से होकर जाता है। शक्तिशाली दक्षिणी राज्यों के विकास के बिना, एक विकसित भारत संभव नहीं है। विकसित केरल अब भारतीय जनता पार्टी का मिशन बन गया है।

एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने तिरुवनंतपुरम में भाजपा की केरल इकाई के मुख्यालय का उद्घाटन किया। केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि केरल एक पवित्र भूमि है, क्योंकि यहीं श्री आदि शंकराचार्य जैसी महान आत्मा का जन्म हुआ था। आज, मैं श्री आदि शंकराचार्य की पुण्य आत्मा को नमन करता हूँ। आज केरल में भाजपा कार्यालय का उद्घाटन करते हुए, मैं उन सभी पार्टी कार्यकताओं के बलिदान को याद कर रहा हूँ जिन्होंने अपनी लगन और निष्ठा से हमारी पार्टी की विचारधारा को आगे बढ़ाया है। मैं उनके बलिदान को नमन करता हूँ। अमित शाह ने कहा कि भाजपा ने कार्यकर्ता सम्मेलन को अन्य राजनीतिक दलों के सार्वजनिक सम्मेलनों जितना ही बड़ा बना दिया है और यह केरल में भाजपा के भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केरल के विकास के लिए प्रधानमंत्री मोदी के तीन मुख्य दृष्टिकोण हैं- भ्रष्टाचार रहित शासन, सरकारी योजनाओं में कोई भेदभाव नहीं और राजनीतिक लाभ से परे केरल का विकास। उन्होंने कहा कि भाजपा और माकपा दोनों ही कैडर-आधारित पार्टियाँ हैं।

टेनिस प्लेयर मर्डर- राधिका की नहीं थी एकेडमी

बाप ने पहले कहा था- सवा करोड़ में खुलवाई, अब बोला- कन्या को मारकर पाप हुआ

▶▶ बाप और बेटी के बीच असली विवाद की वजह यही थी।इसी विवाद में पिता ने 10 जुलाई को गुरुग्राम के वजीराबाद स्थित घर में बेटी की पीठ पर 4 गोलियां मारकर हत्या कर दी।

एजेंसी

गुरुग्राम , हरियाणा के गुरुग्राम में जूनियर इंटरनेशनल टेनिस प्लेयर राधिका यादव के मर्डर में पुलिस की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। राधिका यादव के पास टेनिस की एकेडमी नहीं थी। वह सिर्फ टेनिस कोर्ट किराए पर लेकर खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देती थी। पुलिस का कहना है कि पिता दीपक यादव राधिका को ऐसा करने से रोकता था। पिता के मना करने के बावजूद भी राधिका नहीं मानी और उसने ट्रेनिंग कोर्ट लेकर अपना काम जारी रखा। वहीं शनिवार को एक दिन का रिमांड खत्म होने के बाद आरोपी पिता को गुरुग्राम के कोर्ट में पेश किया गया। जहां से कोर्ट ने उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।इस दौरान वहां मौजूद परिजन से दीपक ने कहा कि कन्या को मारकर पाप हो गया है। सोसाइटी अध्यक्ष पवन यादव ने यह जानकारी दी।दीपक यादव के भाई विजय यादव ने कहा कि जब वे थाने में थे तो छोटे भाई ने पुलिस से कहा कि मेरे बयान और तरह से लिखना कि मुझे फांसी की सजा हो।

सनसनी डीके शिवकुमार के बयान ने मचाई सनसनी

कुर्सी मिलना बहुत मुश्किल, जब मौका मिले तो...

एजेंसी

नयी दिल्ली। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने राजनीतिक व्यंग्य से भरपूर एक बयान देकर एक बार फिर बवाल खड़ा कर दिया है, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के साथ कथित सत्ता-साझेदारी समझौते की अटकलों को बल मिला है। केम्पेगौड़ा जयंती समारोह में बोलते हुए, शिवकुमार ने मुस्कुराते हुए कहा, हम कुर्सी के लिए लड़ रहे हैं... यहाँ कुर्सियाँ हैं, कृपया आकर बैठ जाएँ। कुर्सी पाना आसान नहीं है। इसलिए एक बार मिल जाए, तो उसे हथिया लेना ही होगा। हालाँकि यह बयान हास्य-व्यंग के साथ दिया गया और दर्शकों ने इसे खूब सराहा, लेकिन इन टिप्पणियों ने कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी के भीतर मुख्यमंत्री पद के लिए अंदरूनी खींचतान की सुगबुगाहट को फिर से हवा दे दी है। हालांकि, उन्होंने कहा कि 2028 में राज्य में पार्टी को फिर से सत्ता में लाना उनका काम है, न कि सार्वजनिक रूप से मुख्यमंत्री पद जैसे मुद्दों पर चर्चा करना। लेकिन, शिवकुमार ने शनिवार को कुर्सी वाली टिप्पणी करके नई अटकलों को हवा दे दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद पर एक सवाल के जवाब में डीके शिवकुमार ने कहा, पार्टी सही समय पर फैसला लेगी। मैं इस पर कोई चर्चा नहीं करना चाहता। यह ऐसा मुद्दा नहीं है जिस पर पहले मीडिया में चर्चा हो। हमारा काम 2028 में पार्टी को फिर से सत्ता में लाना है। यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद आई है। बैठक के बाद, सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन की किसी भी अफवाह को सिरे से खारिज करते हुए ऐसी अटकलों को निराधार बताया। हालांकि खड़गे के इस बयान के बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया था कि वो ही पूरे पांच साल तक सीएम की कुर्सी संभालेंगे, भाजपा केवल अफवाल उड़ा रही है। वहीं शुक्रवार को सिद्धारमैया ने एक बार फिर कहा मैं अपना कार्यकाल पूरा करूंगा और मुख्यमंत्री की कुर्सी अभी खाली नहीं हैं। नेतृत्व का सवाल आलाकमान के पास नहीं है इसे सुलझा लिया गया है। मुझे कांग्रेस आलाकमान का पूरा समर्थन है, अगर ऐसा नहीं होता तो मैं सीएम पद पर नहीं बना रहता।

> यह टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धारमैया द्वारा दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला से मुलाकात के कुछ ही दिनों बाद आई है। बैठक के बाद, सिद्धारमैया ने नेतृत्व परिवर्तन की किसी भी अफवाह को सिरे से खारिज करते हुए ऐसी अटकलों को निराधार बताया।

चिराग को सोशल मीडिया पर मिली जान से मारने की धमकी, पुलिस में शिकायत दर्ज

❍ भट्ट ने अपनी शिकायत में टाइगर मेराज इदरीसी नामक एक व्यक्ति की पोस्ट का हवाला दिया, जिसने हाजीपुर के सांसद को बम से उड़ाने की धमकी दी है। थाना प्रभारी (एसएचओ) ने शिकायत मामले में जांच का आदेश दिया है।

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को एक इंस्टाग्राम उपयोगकर्ता से जान से मारने की धमकी मिली है। यह जानकारी उनकी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने शनिवार को दी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने अपने एक्स हैंडल पर मुख्य प्रवक्ता राजेश भट्ट द्वारा पटना के साइबर पुलिस थाने में दर्ज करायी गई शिकायत का एक स्क्रीनशॉट भी साझा किया। भट्ट ने अपनी शिकायत में टाइगर मेराज इदरीसी नामक एक व्यक्ति की पोस्ट का हवाला दिया, जिसने हाजीपुर के सांसद को बम से उड़ाने की धमकी दी है। थाना प्रभारी (एसएचओ) ने शिकायत मामले में जांच का आदेश दिया है। भट्ट ने आरोप लगाया है कि उपयोगकर्ता ने आपराधिक प्रवृत्ति दिखायी है और ऐसा लग रहा है कि वह हमारे नेता की बढ़ती लोकप्रियता से परेशान है। पार्टी ने एक्स पर पोस्ट में, केंद्र और राज्य सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि अपराधी को न्याय के कटघरे में लाया जाए और आरोप लगाया कि वह राष्ट्रीय जनता दल (राजद) का एक समर्थक है। हालांकि, भट्ट द्वारा दर्ज करायी गई पुलिस शिकायत में विपक्षी पार्टी का कोई उल्लेख नहीं है।

बोझ के बजाय सुगमता बढ़ाएं कानून, पुराने नियम-कायदों को आसान और नए डिजिटल तरीके अपनाने होंगे

सम्पादकीय

रिश्तों को संवारने की नई पाठशाला, युवाओं को समझनी होगी जीवन की वास्तविकता

यदि कोई संबंध न चल रहा हो उससे अलग होना हो तो बेहतर है कि बच्चों को दुनिया में न लाया जाए। ह्यतेरे-मेरे सपनेह्न जैसी पहल अच्छी है यदि वह युवाओं को जीवन की वास्तविकता बता सके। जीवन सिर्फ इंस्टाग्राम फेसबुक आदि पर कुछ शेयर करने या रील बनाने के लिए ही नहीं है। उसके अर्थ बहुत व्यापक हैं। देवानंद, मुमताज और चेतन आनंद अभिनीत एक हिट फिल्म आई थी-तेरे-मेरे सपने। इससे पहले देवानंद की ही फिल्म गाइड का गाना युवाओं की जुबान पर चढ़ गया था-तेरे-मेरे सपने अब एक रंग हैं। हालांकि पचास साल से अधिक के समय में बहुत कुछ बदल चुका है। संबंधों में भावुकता के मुकाबले ह्यप्रेक्टिकलिटीह्न ने स्थान बना लिया है। मामूली बातों पर संबंध खत्म हो रहे हैं। यदि किसी ने हैप्पी बर्थडे नहीं कहा तो भी ह्यटाटा-बाय बायह्न। वैवाहिक संबंधों में स्थायित्व तक नहीं रहा। बच्चे भी अब संबंध टूटने की राह में रोड़ा नहीं बनते। पिछले दिनों एक स्त्री ने चार बच्चों के होते हुए भी चार बच्चों के पिता से शादी रचा ली। इसी तरह एक महिला नौ बच्चों के होते हुए भी अपने पुरुष मित्र के साथ चली गई। उसका सबसे छोटा बच्चा आठ-नौ महीने का था। वह रो-रोकर मां को पुकारता रहा, लेकिन वह नहीं रुकी। यही हाल पुरुषों का भी है। किसी और महिला से संबंध बनाने के चक्कर में वे बाल-बच्चों को छोड़कर चले जाते हैं। इसके अलावा संबंधों में हत्या भी जोर पकड़ रही है। कोई पत्नी को मार रहा है, कोई पति को, तो कोई लिव इन पार्टनर को। हाल में इसी अखबार में खबर छपी कि ऐसी घटनाओं से महिला आयोग बहुत चिंतित है। इसलिए दस राज्यों के 24 शहरों में ऐसे संवाद केंद्र स्थापित किए जाएंगे, जहां विवाह से पहले युवक-युवती आपस में बातचीत कर सकें। इन केंद्रों का नाम होगा-तेरे-मेरे सपने। यहां युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य, पारिवारिक जिम्मेदारियों को लेकर जागरूक किया जाएगा। माना जा रहा है कि इससे विवाह में स्थायित्व आएगा। तलाक में कमी आएगी। घरेलू हिंसा भी रोकी जा सकेगी। महिला आयोग ने इन केंद्रों से जोड़े जाने वाले लोगों के लिए एक सिलेबस तैयार किया है। उन्हें प्रशिक्षण भी दिया गया। मूल रूप से यह बातें बहुत अच्छी हैं, लेकिन ये सब पढ़ते हुए लगा कि क्या वाकई अब हमारे परिवारों में ऐसा कोई नहीं रहा, जो बच्चों को विवाह और उसकी जिम्मेदारियों के लिए तैयार कर सके। इसके लिए बाहर वालों की मदद चाहिए। घरों में बच्चे अपने परिजनों को देखकर बहुत कुछ सीखते हैं। घर ही उनकी प्राथमिक पाठशाला होती है। क्या आज ऐसा नहीं रहा। नहीं रहा, तो क्यों नहीं रहा? बच्चों का काम बस पढ़ना-लिखना और नौकरी करना ही रह गया। कुछ लोग यह भी कहते हैं कि ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि लड़कियां बदल गई हैं।

आज का विचार

दूसरों से अपनी
तुलना मत करो,
जो आप दूसरों के सोशल मिडिया
देखकर प्रभावित होते हो,
वो केवल उनकी जिंदगी की हाइलाइट्स हैं,
असल जिंदगी कुछ और ही होती है

भारत संवाद

बोझ के बजाय सुगमता बढ़ाएं कानून, पुराने नियम-कायदों को आसान और नए डिजिटल तरीके अपनाने होंगे

आज के सूचना प्रधान युग में उपभोक्ता खुद काफी मुखर होकर इंटरनेट मीडिया के मंचों पर अपनी आवाज उठाते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग ठगी से बाज नहीं आते जिनसे निपटने के लिए कानूनी सख्ती आवश्यक है। इस संदर्भ में एक आसान तरीका यह हो सकता है कि ग्राहक की शिकायत पर जांच शुरू की जाए या अधिकारी बाजार से कोई सामान खरीदकर उसका वजन या माप जांचें।

पा दिग्गज फैशन ब्रांड एचएंडएम को 2016 में एक स्वेटर का माप 1.22 मीटर के बजाय 122 सेंटीमीटर बताना महंगा पड़ गया। इस कारण उस पर आपराधिक मुकदमा दर्ज हुआ। इसी तरह ब्रिटानिया पर भी मैट्रोलोजी कानून यानी माप से जुड़े कानून के तहत एक थोक बाक्स पर 120 एन या 120 यू के बजाय 120 पैक्स लिखने के लिए मुकदमा चलाया गया। लेबलिंग नियमों के उल्लंघन पर आइटीसी को मध्य प्रदेश में छह साल तक कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी, क्योकि उसने अरहर दाल के पैकेट पर एक साधारण वाक्यांश जब पैक किया गया लिख दिया, जो तय नियमों में नहीं आता था। ये कुछ मिसालें हैं, जो मैट्रोलोजी कानूनों की जटिलताओं के चलते कानून व्यवस्था पर पड़ने वाले अनावश्यक बोझ को दशार्ती हैं। इसका अनुमान इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2021-22 में ही अप्रमाणित वजन और माप की वजह से 35,840 मामले दर्ज किए गए। मैट्रोलोजी कानून यानी विधिक माप-विज्ञान अधिनियम का मूल उद्देश्य उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा है, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि सामान का वजन और माप सही हो। यह कानून सुनिश्चित करता है कि जब आप कुछ खरीदते हैं तो आपको उतनी ही मात्रा या माप की वस्तु मिले, जितनी पैकेट पर लिखी हुई है। प्री-पैक्ड वस्तुओं की लेबलिंग के मामले भी इसी के अंतर्गत आते हैं। जैसे प्रोडक्ट का नाम, वजन और निमार्ता की जानकारी आदि। इस कानून के तहत ऐसे व्यवसाय, जो वजन और माप

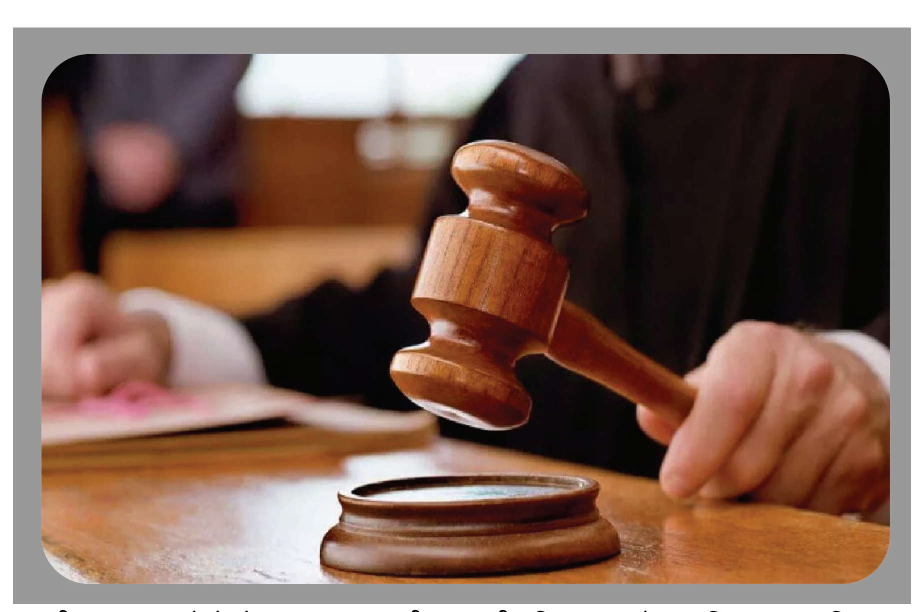

संबंधी उपकरण बनाते, बेचते, आयात या मरम्मत करते हैं, उन्हें लाइसेंस प्राप्त करना भी अनिवार्य है। भले ही किसी व्यवसाय का गलत इरादा न हो, पर यह कानून व्यवसायों पर बड़ा बोझ डालता है। हमने इस संदर्भ में कुछ चुनौतियों और उनके समाधान प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। पहला, हमारी मौजूदा लेबलिंग आवश्यकताएं अत्यंत जटिल हैं और मौजूदा नियमों में बहुत ही सूक्ष्म निर्देश दिए गए हैं। उदाहरण के रूप में अंकों की माप, शब्दों की ऊंचाई और चौड़ाई और लेबल का आकार आदि। हमें अंक, शब्दों की माप, पैकेजिंग कवर के प्रतिशत आदि से संबंधित निर्धारित आवश्यकताओं से हटकर व्यावहारिक मापदंडों का उपयोग करना चाहिए। जैसे लेबल स्पष्ट रूप से चिह्नित हो, प्रमुखता से दिखाई दे और आसानी से पढ़ा जा सके और यदि विस्तृत जानकारी की आवश्यकता है तो उसे क्विक-रिस्पांस यानी क्यूआर कोड से जोड़ा जा सकता है। कुछ इलेक्ट्रानिक उत्पादों और दवाओं में ऐसा किया भी जाता है, ताकि ग्राहक सही जानकारी हासिल कर सकें। दूसरा, जिन उत्पादों के लिए आम तौर पर मीट्रिक प्रणाली का प्रयोग नहीं किया जाता है, वहां अन्य उपयोग स्वीकार किए जाने चाहिए। ऐसा न करने से भ्रम की स्थिति पैदा होती है। जैसे लैपटाप और मोबाइल के लिए कानून के अनुसार सेंटीमीटर में माप दी जानी चाहिए, लेकिन इसके लिए चलन इंच में माप देने का है। ऐसे में यदि किसी उत्पाद को सामान्यत: गैर-मीटरिक इकाइयों में मापा जाता है, तो उनके उपयोग की अनुमति दी जानी चाहिए। वर्तमान में, लीगल मेट्रोलाजी एक्ट के तहत दर्ज किए गए कुल उल्लंघनों में लगभग 10 प्रतिशत मामले गैर-मानक इकाइयों के उपयोग से जुड़े हैं, जो कानून व्यवस्था पर बोझ डालने का काम करते हैं। तीसरा, इस अधिनियम में कई उल्लंघनों के लिए अभी भी आपराधिक दंड का प्रविधान है। इससे अधिकारियों को अनुचित लाभ के लिए दबाव बनाने का मौका मिलता है और व्यवसायों के लिए मुश्किलें बढ़ जाती हैं। इसलिए अधिनियम के किसी भी उल्लंघन को आपराधिक श्रेणी से बाहर किया जाना चाहिए। हालांकि जन विश्वास अधिनियम ने दंड के दायरे को सीमित किया है, फिर भी मामूली अपराधों के लिए एक साल तक की सजा का प्रविधान अब भी मौजूद है। जबकि इसके बजाय केवल सुधारात्मक आदेश और आर्थिक दंड लगाया जाए। चौथा, फिलहाल कंपनियों को वजन और माप के लिए एक अलग लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है जो पहले से ही मौजूद जटिल प्रक्रियाओं को और बोझिल बनाते हैं। हर राज्य के अपने नियम-कानून हैं और ऐसे उपकरणों के लिए भी लाइसेंस लेना पड़ता है, जिन्हें पहले से अनिवार्य बीआइएस प्रमाण मिला हुआ है। जो निमार्ता पहले से ही दुकानों और प्रतिष्ठान अधिनियम, फैक्ट्री अधिनियम, जीएसटी और अन्य कानूनों के तहत पंजीकृत हैं, उन्हें भी एक अलग पैकर/निमार्ता के रूप में पंजीकरण कराना पड़ता है। एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए यह प्रक्रिया लागत और समय दोनों बढ़ाती है। यह सही नहीं है। हमें इस प्रक्रिया को सरल बनाने और इसे अन्य मौजूदा लाइसेंसों के साथ जोड़ने पर काम करना चाहिए ताकी समय और पैसे दोनों की बचत हो सके। हमारी मंशा इस कानून को रद कराने की नहीं, बल्कि उसे सरल-सहज और व्यवसायों के और अनुकूल बनाने की है। बाजार में लेन-देन और उपभोक्ताओं के हितों की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन हमें यह भी सोचना चाहिए कि नियम, कानून और परमिट किस हद तक सही हैं और ये व्यवसायों के लिए परेशानी न बनें। आज के सूचना प्रधान युग में उपभोक्ता खुद काफी मुखर होकर इंटरनेट मीडिया के मंचों पर अपनी आवाज उठाते हैं। इसके बावजूद कुछ लोग ठगी से बाज नहीं आते, जिनसे निपटने के लिए कानूनी सख्ती आवश्यक है। इस संदर्भ में एक आसान तरीका यह हो सकता है कि ग्राहक की शिकायत पर जांच शुरू की जाए या अधिकारी बाजार से कोई सामान खरीदकर उसका वजन या माप जांचें। इसे बाजार निगरानी भी कहा जाता है और अधिकांश विकसित देशों में यही चलन भी है। यदि भारत को एक ग्लोबल मैन्यूफैक्चरिंग हब बनना है, तो पुराने नियम-कायदों को आसान बनाना और नए डिजिटल तरीके अपनाने होंगे। विधिक माप विज्ञान के नियमों को आसान बनाने से एमएसएमई को भी औपचारिक आर्थिकी से जुड़ने और कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी। इससे रोजगार सृजन भी होगा और उत्पादन भी बढ़ेगा। याद रहे कि जब नियम सरल होंगे तभी उपभोक्ता हितों की सुरक्षा से लेकर आर्थिकी का विस्तार होता है।

राशिफल

मेष राशि: करियर: रुके हुए कार्यों में सफलता मिलेगी, लंबी यात्रा संभव. बिजनेस: कार्यसिद्धि और लाभ के योग बन रहे हैं. धन: आर्थिक रूप से सुधार होगा, लाभदायक दिन. शिक्षा: शिक्षा में सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिक: पारिवारिक विवाद सुलझ सकते हैं, खुशी का माहौल रहेगा उपाय: सूर्य भगवान को जल चढ़ाएं.

वृषभ राशि: करियर: कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सावधान रहें. बिजनेस: व्यापार में अड़चनें आ सकती हैं. धन: आर्थिक हानि की आशंका, सावधानी रखें. शिक्षा: ध्यान केंद्रित रखने की जरूरत है. लव/ पारिवारिक: जीवनसाथी से विवाद संभव. उपाय: शिवलिंग पर जल अर्पित करें.

मिथुन राशि : करियर: अत्यधिक भागदौड़ से थकावट रहेगी. बिजनेस: व्यापार में बदलाव से बचें. धन: व्यर्थ खर्च से बचें. शिक्षा: मन भटक सकता है, फोकस बनाए रखें. लव/पारिवारिक: विवाद की स्थिति बन सकती है.

कर्क राशि: करियर: सम्मान प्राप्त हो सकता है, अवसर मिलेंगे. बिजनेस: संभलकर निर्णय लें. धन: सोच-समझकर निवेश करें. शिक्षा: बच्चों की पढ़ाई में चिंता संभव. लव /पारिवारिक: पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

सिंह राशि : करियर: नई शुरूआत संभव, खुशखबरी मिलेगी. बिजनेस: वाहन चलाते समय सतर्क रहें. धन: खर्च पर नियंत्रण रखें. शिक्षा: प्रयासों से सफलता मिलेगी. लव/ पारिवारिक: मतभेद दूर होंगे.

कन्या राशि: करियर: नए प्रोजेक्ट की शुरूआत में सतर्क रहें. बिजनेस: नुकसान से बचने के लिए सोच-समझकर निर्णय लें. धन: लाभ संभव है, पर जोखिम से बचें. शिक्षा: ध्यान केंद्रित रहेगा. लव/ पारिवारिक: पार्टनर की सेहत चिंता बढ़ा सकती है.

तुला राशि : करियर: वाहन या संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं. बिजनेस: निवेश सोच-समझकर करें. धन: उधार देने से बचें. शिक्षा: सकारात्मक परिणाम मिलेंगे. लव/ पारिवारिक: घूमने-फिरने का कार्यक्रम बन सकता है.

वृश्चिक राशि: करियर: वाद-विवाद में जीत के योग हैं. बिजनेस: बड़ी साझेदारी हो सकती है. धन: आर्थिक स्थिति सुधरेगी. शिक्षा: सफलता के संकेत हैं. लव/ पारिवारिक: परिवार के स्वास्थ्य को लेकर चिंता रहेगी. उपाय: गरीबों को भोजन कराएं.

धनु राशि: करियर: पहचान और सम्मान मिलेगा. बिजनेस: पैतृक संपत्ति में लाभ. धन: आर्थिक लाभ संभव. शिक्षा: अड़चनें आ सकती हैं. लव/ पारिवारिक: जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बितेगा.

मकर राशि : करियर: पारिवारिक उलझनों से प्रभावित हो सकते हैं. बिजनेस: आर्थिक गिरावट संभव. धन: खर्च नियंत्रित रखें. शिक्षा: पढ़ाई में मन नहीं लगेगा. लव/ पारिवारिक: रिश्तेदार का आगमन संभव है.

कुंभ राशि: करियर: कानूनी झंझट में फंस सकते हैं. बिजनेस: विरोधियों से सतर्क रहें. धन: शेयर बाजार से दूर रहें. शिक्षा: बच्चों की सेहत बिगड़ सकती है. लव/ पारिवारिक: विवादों से बचें.

मीन राशि : करियर: कार्यक्षेत्र में लाभ होगा. बिजनेस: बड़ी डील के संकेत हैं. धन: रुका धन वापस मिलेगा. शिक्षा: मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिक: ससुराल पक्ष से तनाव संभव. उपाय: कुत्तों को बिस्किट खिलाएं.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मतदाता सूची में सुधार पर सुप्रीम सहमति सराहनीय

ललित गर्ग

बिहार में मतदाता सूची सुधार पर सुप्रीम कोर्ट की हरी झंडी सिर्फ एक न्यायिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतंत्र के मूल्य को पुष्ट करने वाला ऐतिहासिक एवं प्रासंगिक निर्णय है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को बिहार में मतदाता सूची की समीक्षा के लिए आधार, राशन और वोटर कार्ड को भी मान्यता देने का सुझाव देकर आम लोगों की मुश्किल हल करने की कोशिश की है। इससे प्रक्रिया आसान होगी और आशंकाओं को कम करने में मदद मिलेगी। बेशक, फर्जी नाम मतदाता सूची में नहीं होने चाहिए लेकिन ऐसे अभियानों के दौरान आयोग का जोर ज्यादा से ज्यादा नाम वोटर लिस्ट से निकालने के बजाय, इस पर होना चाहिए कि एक भी नागरिक चुनावी प्रक्रिया में शामिल होने से वंचित न रह जाए। विपक्ष को चाहिए कि वह इस फैसले को राजनीतिक हार न माने, बल्कि इसे एक अवसर माने, जनविश्वास अर्जित करने का, लोकतंत्र में आस्था बढ़ाने का और सबसे जरूरी, राष्ट्रहित को राजनीति से ऊपर रखने का। मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य केवल बिहार ही नहीं, देश के अन्य राज्यों में प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ करना चाहिए।

भारतीय लोकतंत्र में सुप्रीम कोर्ट का निर्णय सर्वोपरि होता है। चुनाव आयोग यदि चुनाव कराने को तैयार है, और इसकी जुड़ी किन्हीं प्रक्रियाओं में कोई त्रुटि या खामी है तो उसका सुधार करना संविधान सम्मत है, तो फिर इस पर प्रश्नचिन्ह लगाने का अधिकार किसी भी राजनीतिक दल को नहीं होना चाहिए। लेकिन जो प्रश्न जनता के मानस को उद्वेलित करता है, वह यह है कि विपक्ष बार-बार चुनावी प्रक्रियाओं, राष्ट्रीय हितों या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर भी एकमत होकर विरोध करता है, आखिर क्यों? बिहार में एसआईआर को लेकर जो याचिकाएं आई और बहसें सामने आईं, उनमें एक प्रमुख तर्क यह था कि समय उपयुक्त नहीं है, सरकार अस्थिर है, या सामाजिक समीकरण तैयार नहीं हैं। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जनता को प्रतिनिधित्व देने का अधिकार सर्वोपरि है। लेकिन त्रुटिपूर्ण या फर्जी मतदाता सूची से चुनाव कराना भी लोकतंत्र का अपमान है। अदालत ने यह भी संकेत दिया कि देर-सवेर नहीं, संवैधानिक कर्तव्य को समय पर निभाना जरूरी है।

अदालत ने एसआईआर पर कोई आदेश नहीं दिया है, लेकिन अपने इरादे की ओर इशारा तो कर ही दिया है। अदालत ने टाइमिंग को लेकर जो सवाल उठाया, वह उचित प्रतीत होता है। बिहार में इसी साल के आखिर तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में इतनी विस्तृत कवायद के लिए शायद उतना वक्त न मिल पाए, जितना मिलना चाहिए। बिहार में एसआईआर को लेकर जो असमंजस है, उसकी एक वजह निश्चित ही टाइमिंग है। जिनके पास जरूरी डॉक्युमेंट नहीं हैं, वे इतनी जल्दी उनका इंतजाम नहीं कर पाएंगे। हालांकि आयोग ने भरोसा दिलाया है कि किसी भी व्यक्ति को भी अपनी बात रखने का मौका दिए बिना मतदाता सूची से बाहर नहीं किया जाएगा। वैसे बिहार में चुनाव को देखते हुए ही फर्जी मतदाताओं की संख्या बढ़ी या तथाकथित राजनीतिक दलों ने इन फर्जी मतदाताओं को बढ़ाया है। ऐसे में इन फर्जी मतदाताओं पर कार्रवाई अपेक्षित है। यह मामला केवल बिहार तक सीमित नहीं रहना चाहिए। दूसरे राज्यों में मतदाता सूचियों की समीक्षा किस तरह होगी, यह बिहार में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया पर निर्भर करेगा। ऐसे में स्वाभाविक ही नजरें इस बात पर टिकी हैं कि सुप्रीम कोर्ट में आखिरकार इस प्रक्रिया का कैसा स्वरूप तय होता है?

भारतीय राजनीति में विपक्ष का कार्य सरकार की नीतियों पर निगरानी रखना है, आलोचना करना है, लेकिन वह आलोचना रचनात्मक होनी चाहिए, राष्ट्र-विरोधी नहीं। आज हम देख रहे हैं कि आर्टिकल 370 हटाना हो, नागरिकता संशोधन अधिनियम-सीएए, राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर-एनआरसी जैसे कानून हों, अग्निपथ योजना हो, या राम मंदिर निर्माण-लगभग हर मुद्दे पर विपक्ष ने एकमत होकर विरोध किया है। चाहे चीन या पाकिस्तान से जुड़ी संवेदनशील मसले हों, या फिर राष्ट्रीय सुरक्षा के निर्णय, विपक्ष अक्सर उन बिंदुओं पर एक सुर में सरकार का विरोध करता है, जबकि ऐसे राष्ट्रीयता के मुद्दों पर विपक्ष को सरकार एवं देश के साथ एकजुटता दिखानी चाहिए। यह संयोग नहीं, एक दूषित राजनीतिक रणनीति बनती जा रही है कि ह्यजो सरकार करे, उसका विरोध करोह्न, चाहे मुद्दा देशहित का ही क्यों न हो। इन स्थितियों में आम जनता का एक बड़ा सवाल है कि विपक्ष देश के साथ है या सिर्फ सत्ता की भूख के साथ? क्या चुनाव प्रक्रिया पर विरोध करना लोकतंत्र का मजाक नहीं है? क्या न्यायपालिका के निर्णयों को चुनौती देना सिर्फ स्वार्थ की राजनीति नहीं? क्या राष्ट्रीय मुद्दों पर सरकार के साथ खड़े होने से विपक्ष की राजनीति कमजोर हो जाएगी? जब विपक्ष सिर्फ विरोध करने के लिए विरोध करता है, तो उसका नैतिक बल कमजोर होता है, और जनता का विश्वास टूटता है। भारतीय राजनीति को अब रचनात्मक विपक्ष की जरूरत है, ऐसा विपक्ष जो सत्ता में नहीं है, फिर भी राष्ट्र के लिए सत्ता के साथ खड़ा हो सकता है। जो यह समझ सके कि लोकतंत्र सरकार और विपक्ष दोनों से चलता है।

लेकिन राष्ट्र सबसे ऊपर है। बिहार में चुनाव आयोग को सुप्रीम कोर्ट की अनुमति इस बात का प्रतीक है कि संस्थाएं अभी भी न्याय और संवैधानिकता की रक्षा कर रही हैं। लेकिन विपक्ष यदि इस निर्णय पर भी नकारात्मक रवैया अपनाता है, तो यह जनता की आकांक्षाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों और विकासशील भारत की दिशा के विरुद्ध होगा। विपक्ष को चाहिए कि वह अपनी राजनीति को जनहित से जोड़े, जनविरोध से नहीं। विपक्ष यदि राष्ट्रहित में सोचने की दिशा में खुद को परिवर्तित नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे प्रासंगिकता खो देगा।

भारतीय लोकतंत्र की नींव निष्पक्ष, पारदर्शी और समावेशी चुनावों पर टिकी होती है। इसी लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत बनाने की दिशा में बिहार में चुनाव आयोग द्वारा शुरू किया गया मतदाता सूची सुधार अभियान हाल ही में राष्ट्रीय बहस का केंद्र बना। लेकिन जिस बात ने सबसे अधिक ध्यान खींचा, वह यह है कि इस पूरी कवायद के दौरान विपक्ष एक बार फिर एकजुट होकर इसका विरोध करता नजर आया, भले ही मामला राष्ट्रहित और लोकतंत्र की मजबूती से जुड़ा हो। बिहार में राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्टों को दुरुस्त करने, फर्जी वोटरों की छंटनी, और नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का जो कार्य प्रारंभ किया।

सफलता भाग्य का नहीं परिश्रम का पुरस्कार

संजीव ठाकुर

जहां सफलता की संभावना एकदम कम तथा न्यून हो और सफलता मिल जाए तो भाग्य को श्रेय दिया जाता हैह्न वास्तव में जो सफलता के चरम पर होता है, वह खुद ही जानता है कि भाग्य जैसी कोई चीज नहीं होती हैह्न पर सफल व्यक्ति से जुड़े हुए लोग उसके साहस और श्रम को श्रेय देने के बजाय व्यक्ति के भाग्य पर जोर देने लगते हैंह्न इस दुनिया में दो तरह के लोग होते हैं, जो सफलता को कुछ निश्चित गुणों पर आधारित मानते हैं। असफल व्यक्ति ही भाग्य पर ज्यादा भरोसा करते हैं, असफल होने पर अपने भाग्य को कोसते हैंह्न वस्तुतः भाग्य नाम की कोई चिड़िया होती ही नहीं है। भाग्य साहस और मेहनत की परिणति है। जिसके भीतर साहस और श्रम करने की प्रवृत्ति होती है, वही व्यक्ति सफल होता है। भाग्य उसका सदैव साथ देता है। साहसी व्यक्ति मेहनत से नहीं डरता, चुनौतियां स्वीकार करता है, और निडर होकर हर चुनौती का डटकर मुकाबला करता है। साहसी व्यक्ति कांटों से भरे पथ पर चलने के लिए तत्पर रहता है, डर नामक चीज से वह परिचित नहीं होता है। और अपनी मेहनत और साहस के बल पर बड़ी से बड़ी सफलता प्राप्त करता है, वही व्यक्ति भाग्यवान कहलाता है। मशहूर मुक्केबाज मोहम्मद अली उर्फ कैशियस क्ले ने एक महत्वपूर्ण मुक्केबाजी की स्पर्धा जीतकर कहा था,₹ जो व्यक्ति जीवन में ज्यादा खतरे नहीं उठाता वह एक साधारण जिंदगी जीने से ज्यादा कुछ नहीं कर सकता₹ मोहम्मद अली के इस कथन में कई सफलता के तत्व छुपे हुए हैं, यदि आपने अपनी जिंदगी में साहस नहीं दिखाया तो निश्चित तौर पर आप कुछ भी उल्लेखनीय नहीं कर सकते हैं, साहस एक ऐसा माननीय गुण है जो व्यक्ति की सफलता को दुगना कर देता है। साहस और श्रम ही जीवन का पर्याय है, और ऐसे व्यक्ति भीड़ में अलग दिखाई देते हैं। उन्हें ही समाज सफल व्यक्ति एवं भाग्यवान होने की श्रेणी में रखता है। साहसी व्यक्ति के मन में हिचक नहीं होती वह किसी भी निर्णय लेने में कभी किंकर्तव्यविमूढ़ नहीं होता, अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए वह अपने साहस और श्रम पर विश्वास रख आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहता है। नेपोलियन बोनापार्ट के अनुसार भाग्य केवल सक्रिय मस्तिष्क का साथ देता है, इसीलिए मनुष्य को अपना मस्तिक सदैव क्रियाशील व सक्रिय रखना चाहिए, वास्तव में हम जैसे विचार रखते हैं, हम जैसा सोचते हैं, हम वैसे ही बन जाते हैं, जिसने विचारों की ऊर्जा को पहचाना, उसका जीवन सकारात्मक तथा सफलता के कदम चूमता है। अपने लक्ष्य के बारे में सदैव विचार करते रहें एवं उपलब्ध संसाधनों का रोना रोने के बजाय यह सोचना आवश्यक होगा कि हम अपना सर्वोत्तम कैसे दे सकते हैं। ऐसे विचारों और साहस के बहुत बड़े उदाहरण मीराबाई चानू, बजरंग पूनिया और गोल्डन ब्वॉय नीरज चोपड़ा हैं, जो देश के लिए बहुत बड़े उदाहरण हैं। इसके अलावा अन्य भी जिन्होंने ओलंपिक 2020 जापान में देश के लिए खेल में चार और मेडल प्राप्त किया और देश का गौरव बढ़ाया। इन सब को बधाइयों के साथ शुभकामनाएं भी हैं, इनकी मेहनत लगन और साहस को देश के 135 करोड़ आवाम का अभिनंदन तथा वंदन है। थॉमस कूलर के अनुसार बुद्धिमान व्यक्ति अवसर को एक अच्छे भाग्य में बदल देता है। और वही व्यक्ति जो अवसर की तलाश में रहता है, उसे परिवर्तित कर अच्छे परिणाम देकर, अपने परिवार, समाज देश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज करवाता है। स्वयं को मिले अवसरों को सफलता में बदल डालिए, आपका हर पल बहुत कीमती है, उसे नष्ट न करें।

पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव पर मंत्री नन्दी ने कृतज्ञता के साथ भगवान भोलनाथ को किया नमन

पूरे प्रदेश में व्यापारी साहस दिवस के रूप में मनाया गया मंत्री नन्दी का पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव

- मनोकामनापूर्ति शिव मंदिर में सपरिवार रूद्राभिषेक एवं पूजन किया
- हजारों लोग पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव में हुए शामिल, विशाल भंडारे में ग्रहण किया प्रसाद

भारत संवाद

2010 में हुए जानलेवा हमले में बुरी तरह से घायल होने के बाद भी भगवान भोलेनाथ की कृपा के कारण मौत को मात देकर पुनर्जीवन प्राप्त करने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने शनिवार को श्रद्धा भाव एवं कृतज्ञता के साथ भूत भावन भगवान भोलेनाथ की आराधना कर अपना पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव मनाया। मंत्री नन्दी ने शनिवार को बहादुरगंज स्थित प्राचीन मनोकामनापूर्ति शिव मंदिर में ईष्ट मित्रों, समर्थकों एवं पारिवारिक सदस्यों के साथ रूद्राभिषेक एवं पूजन अर्चन कर लोक कल्याण एवं पुण्य की कामना की। प्रयागराज की पूर्व महापौर श्रीमती अभिलाषा गुप्ता नन्दी के साथ भोलेनाथ के समक्ष नतमस्तक होकर पुनर्जीवन के लिए कृतज्ञता अर्पित किया। इस दौरान आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कई कैबिनेट मंत्रियों, उद्यमियों, व्यापारियों एवं विशिष्ट अतिथियों ने पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव में सम्मिलित होकर मंत्री नन्दी को शुभकामनाएं प्रेषित की।

मंत्री नन्दी का पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव प्रयागराज के साथ ही पूरे प्रदेश में व्यापारी साहस दिवस के रूप में मनाया गया। विभिन्न जनपदों में शिव मंदिरों पर पूजन अर्चन एवं भंडारे के साथ ही सेवा कार्य भी किया गया।

11 ब्राह्मणों ने कराई पूजा

भगवान भोलानाथ को अपना आराध्य मानने वाले मंत्री नन्दी ने मनोकामनापूर्ति मंदिर में विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन किया।

गुरुकुल आश्रम के अयोध्या प्रसाद शास्त्री (गुरु जी) और मधुरम मिश्र के नेतृत्व में 11 ब्राह्मणों ने मंत्रोच्चारण के बीच रुद्राभिषेक संपन्न कराया।

मध्य प्रदेश के 108 सदस्यीय दल ने किया डमरू का नाद

पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव के अवसर पर बहादुरगंज स्थित प्राचीन मनोकामनापूर्ति शिव मंदिर के बाहर मध्य प्रदेश से आए श्री बाबा बटेश्वर कीर्तन समिति भोपाल के 108 सदस्यों ने डमरू के नाद एवं झांझ, मंजीरे और नगाड़ों जैसे वाद्य यंत्रों से भूत भगवान भोलेनाथ की आराधना की। पूरा इलाका डमरू की नाद से गूंज उठा।

डमरू के साथ ही शृंगी का भी नाद हुआ।

वाराणसी के व्यापारियों ने भेजा गंगाजल, हुआ जलाभिषेक

बाबा विश्वनाथ के पुण्य धाम काशी से आए मां गंगा के पावन जल से मनोकामनापूर्ति प्राचीन शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक हुआ। काशी के व्यापारियों एवं वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने मंत्री नन्दी की दीघार्यु की कामना के साथ कई गागर गंगा जल भेजा। कई कावरिया जल लेकर प्रयागराज पहुंचे। मंत्री नन्दी ने बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से आए गंगा जल से कालकंटक भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। स्वामी चिदानंद के साथ मंत्री राकेश सचान, अनिल राजभर व मन्नूकोरी ने दी शुभकामनाएंउत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान, उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवा योजन समन्य विभाग मंत्री अनिल राजभर, राज्य मंत्री श्रम एवं सेवायोजन विभाग मनोहर लाल (मन्नूकोरी) मंत्री नन्दी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव में सम्मिलित हुए। बहादुरगंज स्थित मनोकामना पूर्ति शिव मंदिर में पूजन अर्चन के साथ ही मंत्री नन्दी को पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। परमार्थ निकेतन ऋषिकेश के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती भी शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने बहादुरगंज स्थित प्राचीन मनोकामना पूर्ति शिव मंदिर में पूजन अर्चन कर मंत्री नन्दी को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। सांसद प्रवीण पटेल, भाजपा गंगापार अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान, भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता के साथ ही अन्य गणमान्यजन भी समारोह में सम्मिलित हुए।अभिनेता मनोज जोशी एवं अभिषेक अग्रवाल रहे मौजूद

मालामाल विकली एवं हलचल जैसी मशहूर फिल्मों में महत्वपूर्ण अभिनय से अपनी पहचान बनाने वाले बॉलीवुड के अभिनेता मनोज जोशी एवं कश्मीर फाइल जैसी महत्वपूर्ण फिल्म के निमार्ता अभिषेक अग्रवाल भी प्रयागराज पहुंचे और मंत्री नन्दी के पुर्नप्राप्त जन्मोत्सव में सम्मिलित होते हुए पूजन अर्चन किया और मंत्री नन्दी को शुभकामनाएं दी।

फास्ट ट्रैक

जनपदीय पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारीगण द्वारा थाना समाधान दिवस के अवसर पर जनपद के समस्त थानों पर आने वाले आमजन की सुनी गयी समस्याएं

भारत संवाद

शासन के निदेर्शानुसार (प्रत्येक माह के द्वितीय व चतुर्थ शनिवार) जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के समस्त थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया । उक्त अवसर सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर व प्रियंका निरंजन जिलाधिकारी जनपद मीरजापुर द्वारा थाना लालगंज पर आमजन की समस्याओं को सुनकर सम्बन्धित को निस्तारण हेतु निर्देशित किया गया । इसी क्रम में नायब तहसीलदार द्वारा थाना को0शहर पर, अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा थाना को0कटरा पर, उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी नगर द्वारा थाना विन्ध्याचल, नायब तहसीलदार द्वारा थाना को0देहात पर, अपर पुलिस अधीक्षक नगर व उप जिलाधिकारी द्वारा थाना चिल्ह पर, नायब तहसीलदार द्वारा थाना पड़री, हलिया, अहरौरा, राजगढ़ पर, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी चुनार द्वारा थाना चुनार पर, उपजिलाधिकारी द्वारा थाना अदलहाट पर, अपर जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी आपरेशन द्वारा थाना मड़िहान पर सम्बन्धित प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण व राजस्व विभाग के अय अधिकारी एवं कर्मचारीगण के साथ थाने पर आने वाले आमजन की समस्याएं सुनकर मौके पर निस्तारण कराया गया तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को मौके पर रवाना किया गया ।

थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थानावार विवरण निम्नांकित है

थाना को0शहर 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना को0कटरा पर 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना विन्ध्याचल पर 32 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना को0देहात पर 24 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चील्ह पर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना कछवां पर 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना पड़री पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना लालगंज पर 21 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना हलिया पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना जिगना पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 निस्तारित, थाना ड्रमण्डगंज पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चुनार पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 13 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना अहरौरा पर 22 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना मड़िहान पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया ।

कांवड़ियों की यात्रा को सुगम बनाने के लिए जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने धुरकर नदी पर बने मार्ग का कराया मरम्मत

मीरजापुर, श्रावणमास में कांवड़ ले जा रहे श्रद्धालुओं के सुविधा के दृष्टिगत जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने आज मड़िहान तहसील के कलवारी-घोरावल मार्ग पर गुरदेव नगर के आगे ग्राम धुरकर के बकहर नदी स्थित पर पुल मार्ग का निरीक्षण कर मरम्मत कार्य का निरीक्षण किया। मौके पर उपस्थित लोक निर्माण विभाग को कार्य में तेजी लाते हुए आज ही रात्रि तक मरम्मत कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक के साथ श्रावण मास/कावड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु शिवद्वार जाने वाले काँवड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत मड़िहान कलवारी से मड़िहान तक भ्रमण/निरीक्षण कर मार्गों का निरीक्षण किया तथा मार्गों में पड़ने वाले थाना/चौकी प्रभारीगण को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस अवसर पर तहसीलदार मड़िहान आशीष कुमार पाण्डेय व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शोक संवेदना व्यक्त करने पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल के घर पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

भारत संवाद

लखनऊ/ बहराइचः उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को जनपद बहराइच में मा0 विधायक एवं पूर्व राज्यमंत्री श्रीमती अनुपमा जायसवाल जी के निज आवास पर पहुंच कर उनकी दिवंगत पूज्य सासू माँ के छाया चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होने शोकसंतप्त परिजनों से भेंट कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं तथा प्रभु श्रीराम जी से दिवंगत पुण्यात्मा की शांति और परिजनों को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। सदर विधायक के आवास पर मीडिया से वार्ता करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी व मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में देश व प्रदेश हर क्षेत्र में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सामरिक शक्ति बनने के साथ अर्थव्यवस्था के मामले मे भी तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है । उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप भारत हर क्षेत्र मे नित नये आयाम स्थापित कर रहा है। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आये हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून एवं शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए अपराधियों एवं माफियाओं के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई कर उन्हें जेल में भेजा गया है, ताकि बेहतर कानून व्यवस्था के कारण प्रदेश का चतुमुर्खी विकास हो सके। उन्होंने कहा कि श्रावण मास में चल रही कांवड़ यात्रा के दौरान भक्तों पर पुष्पवर्षा करायी जा रही है तथा यात्रा के दौरान भक्तों के लिए ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करायी जा रही है कि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेद-भाव के सबका साथ- सबका विकास- सबका विश्वास के मूल मन्त्र के साथ कार्य कर रही है। सभी पात्र लोगों को सरकार द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों का भरपूर लाभ प्राप्त हो रहा है।इस अवसर पर सांसद बहराइच आनन्द कुमार गौड़, एमएलसी डॉ0 प्रज्ञा त्रिपाठी, विधायक पयागपुर सुभाष त्रिपाठी, नानपारा राम निवास वर्मा, श्रावस्ती विधायक रामफेरन पाण्डेय, मुकुट बिहारी वर्मा, कमलेश मिश्रा, बृजेश पाण्डेय , जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक रामनयन सिंह, मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र, अपर जिलाधिकारी गौरव रंजन श्रीवास्तव, अपर पुलिस अधीक्षक नगर रामानन्द कुशवाहा व ग्रामीण के दुर्गा प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार, डीडीओ राज कुमार सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

47 स्थानों पर प्रधानमंत्री रोजगार मेले का भव्य आयोजन 51,000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित

उत्तर मध्य रेलवे मे आगरा और झाँसी मे भी रोजगार मेले का आयोजन

भारत संवाद

देशभर में आयोजित प्रधानमंत्री रोजगार मेला के 16वें संस्करण के अंतर्गत आज राष्ट्रव्यापी स्तर पर 47 स्थानों पर भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से युवाओं को संबोधित किया तथा विभिन्न सरकारी विभागों में चयनित 51,000 से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और उनकी भागीदारी विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाएगी। इस क्रम में उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी एवं आगरा मंडलों में भी रोजगार मेला आयोजित किया गया, जहां झाँसी में 201 एवं आगरा में 102 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए।

झाँसी मंडल में आयोजन

झाँसी मंडल में पंडित दीनदयाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार श्री बी एल वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने माननीय सांसद श्री अनुराग शर्मा, मंडल रेल प्रबंधक झाँसी श्री दीपक कुमार सिन्हा एवं प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री एस. बालचंद्र अय्यर की उपस्थिति में 201 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इनमें से सर्वाधिक 167 अभ्यर्थी रेलवे विभाग

से चयनित हुए, जबकि उच्च शिक्षा मंत्रालय, ईएसआईसी, संस्कृति मंत्रालय, आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया समेत अन्य विभागों से 34 अभ्यर्थियों को नियुक्त किया गया। मुख्य अतिथि श्री बी एल वर्मा ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं को आत्मनिर्भर भारत की दिशा में सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने सभी से ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि श्री अनुराग शर्मा ने इसे प्रधानमंत्री जी की रोजगार सृजन की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष उदाहरण बताया और सभी नवनियुक्त युवाओं को बधाई दी। मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि यह गौरव का क्षण है जब अनेक अभ्यर्थी अपने परिवार से सरकारी सेवा में आने वाले पहले व्यक्ति बने हैं।

आगरा मंडल में आयोजन

आगरा मंडल में उल्लास रेलवे ऑफिसर्स क्लब में हुए आयोजन में माननीय केंद्रीय राज्यमंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन व डेयरी तथा पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार प्रो. एस.पी. सिंह बघेल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने 102 नवनियुक्त अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

सोशल मीडिया पर छाया मंत्री नन्दी का पुनप्राप्त जन्मोत्सव

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास, निर्यात प्रोत्साहन, एनआरआई एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नन्दी' का पुनर्प्राप्त जन्मोत्सव इस वर्ष भी पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

12 जुलाई को दिनभर सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। 12 जुलाई को सुबह से लेकर देर रात तक (पूर्व में ट्विटर), फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर उन्हें शुभकामनाएं देने वालों की बाढ़ सी आ गई। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, सांसदों, विधायकों, कार्यकताओं के साथ-साथ साहित्य, कला, सामाजिक सेवा और फिल्म जगत से जुड़ी कई जानी-मानी हस्तियों ने भी उन्हें बधाई संदेश भेजे। सोशल मीडिया पर यह दिवस पूरे दिन #पुनर्प्राप्तजन्मोत्सव, #Nandirebirth 2010जैसे हैशटैग्स के साथ ट्रेंड करता रहा।

जीवन का हर क्षण सेवा में है समर्पित

इस अवसर पर मंत्री नन्दी ने सभी शुभचिंतकों, समर्थकों और कार्यकताओं का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा, 12 जुलाई मेरे लिए केवल एक तारीख नहीं, यह वह दिन है जब मैंने यह नया जीवन पाया।

यह जीवन अब पूरी तरह जनता की सेवा को समर्पित है। आपकी प्रार्थनाओं, विश्वास और स्नेह ने मुझे नया संकल्प दिया है और मैं अपने हर क्षण को जनकल्याण के लिए समर्पित करता रहूंगा।

पूजा-पाठ, धार्मिक कीर्तन, भंडारे व सेवा कार्य का आयोजन

विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी प्रयागराज सहित उत्तर प्रदेश के अनेक जिलों कानपुर, लखनऊ, गोरखपुर, मुरादाबाद, हापुड़ आदि में समर्थकों और कार्यकताओं ने मंदिरों में विशेष पूजा-पाठ, धार्मिक कीर्तन, भंडारे तथा गरीबों के बीच भोजन वितरण जैसे सेवा कार्यों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में आमजन, कार्यकर्ता और सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

हाथ पकड़कर यमुना में कूदे प्रेमी-प्रेमिका

नदी में जाल डाला, 8केएम में सर्च ऑपरेशन जारी; पानी में उतराता मिला लड़की का बैग

भारत संवाद

प्रयागराज, नए यमुना पुल से प्रेमी-प्रेमिका ने हाथ पकड़कर नदी में छलांग लगा दी। बाढ़ की वजह से दोनों की बॉडी गहराई में चली गई। जल पुलिस और गोताखोर नदी में करीब 8 से 10 केएम में रेस्क्यू ऑपरेशन चला रहे हैं। नदी में जाल भी डाला गया है। मगर अभी दोनों की बॉडी नहीं मिली है। जहां दोनों ने छलांग लगाई, वहां पानी में एक बैग उतराता हुआ मिला है। इस बैग में मिले 10वीं के सर्टिफिकेट से लड़की की पहचान हो सकी है। उसका नाम ज्योति गुप्ता है। वह करछना के बगुरा लकटहा की रहने वाली है। लोग चिल्लाते रहे, लड़की-लड़का कूद गए यमुना पुल पर एक लड़का और लड़की पहुंचे। उन्होंने पुल पर बनी रेलिंग को लांघकर दोनों पैर नदी की तरफ करके रेलिंग पर बैठ गए। उन्हें देख कर लोग चिल्लाने लगे। लोगों ने उन्हें रोकने की भी कोशिश की। कुछ लोग उन्हें पकड़ने के लिए दौड़े। तभी लड़की और लड़का एक-दूसरे का हाथ पकड़कर नदी में कूद गए। जब तक लोग उन तक पहुंच पाते, तब तक वह यमुना नदी की बीच धार में समा गए। नदी के करीब ही जल पुलिस के जवान और गोताखोर मौजूद थे। सूचना मिलते ही मोटर बोट की मदद से सुबह 8 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने लड़की के पिता राम आसरे गुप्ता को इस घटना की जानकारी दी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि ज्योति सिरसा के कन्या इंटर कॉलेज में पढ़ती है। उनके पिता राम आसरे मुंबई में प्राइवेट जॉब करते हैं।

रेलवे ने परीक्षाओं को सरल बनाने और नियुक्तियों में तेजी लाने के लिए बड़े सुधार शुरू किए

आधार-आधारित ई-केवाईसी, वास्तविक समय में चेहरे की पहचान और शून्य-धोखाधड़ी के लिए फोटो सत्यापन

- रेलवे भर्ती की नई परिकल्पना: उम्मीदवारों के लिए पारदर्शी, समावेशी और तेज
- आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए एकमुश्त पंजीकरण प्रणाली
- वार्षिक कैलेंडर की शुरुआत: 2024 में 1.08 लाख से अधिक रिक्तियों के लिए अधिसूचना

भारत संवाद

नई दिल्ली, रेल मंत्रालय ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी, कुशल और तकनीक-संचालित बनाने के उद्देश्य से कई सुधार किए हैं। ये सुधार अधिकारियों, उम्मीदवारों, कोचिंग संस्थानों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक परामर्श के माध्यम से विकसित किए गए हैं। पहली बार, एएलपी, तकनीशियन, एनटीपीसी, आरपीएफ, पैरामेडिकल और लेवल-1 श्रेणियों सहित सभी ग्रुप सी पदों के लिए 2024 से एक वार्षिक भर्ती कैलेंडर शुरू किया गया है। यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और उम्मीदवारोंअधिसूचना और प्रथम चरण की परीक्षा के बीच का समय लगभग 8 महीने तक कम कर दिया गया है। चल रहे सिस्टम सुधारों के साथ, इस अवधि के और कम होने की उम्मीद है, जिससे प्रक्रिया और नियुक्ति प्रक्रिया तेज हो सकेगी। बड़े पैमाने पर होने वाली परीक्षाओं को सुगम बनाने के लिए, परीक्षा के बुनियादी ढाँचे का पर्याप्त विस्तार किया गया है। प्रतिदिन 325 से अधिक केंद्र संचालित होते हैं, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता लगभग 350 उम्मीदवारों की है। प्रति पाली 25,000 नोड्स जुड़ने से नेटवर्क का और विस्तार होगा। उम्मीदवार के पते से 250 किमी के भीतर केंद्र आवंटित करने को प्राथमिकता दी जा रही है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर 500 किमी तक बढ़ाया जा सकता है। धोखाधड़ी की रोकथाम और तकनीकी नवाचारों पर जोर दिया गया है। आधार-आधारित ई-केवाईसी, रीयल-

जलाभिषेक समारोह — माननीय मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी जी, विशिष्ट अतिथि, गणमान्य विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का पवित्र माह श्रावण के दिव्य अवसर पर प्रयागराज मनोकामना पूर्ति शिवमन्दिर में आयोजित जलाभिषेक समारोह में दिव्य सान्निध्य

- नन्दी सेवा संस्थान द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में अनुकरणीय प्रयास मां की रसोई बन रही है सेवा, स्नेह और संवेदना का प्रतीक
- 12 जुलाई 2010 को श्रावण के पवित्र माह में मनोकामना पूर्ति शिवमंदिर में जलाभिषेक के दौरान जो हृदयविदारक घटना घटित हुई, वह मानवता की आत्मा पर गहरा प्रहार थी, उसमें मारी गयी उन सभी दिव्य आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना

भारत संवाद

प्रयागराज। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी को माननीय मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी जी के मार्गदर्शन में संचालित नन्दी सेवा प्रकल्पों के अनुकरणीय प्रयासों के लोकार्पण समारोह हेतु विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। यह आयोजन प्रयागराज स्थित मनोकामना पूर्ति शिवमंदिर में आयोजित विशेष जलाभिषेक समारोह के अवसर पर हुआ, जो सेवा, समर्पण और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम है। स्वामी जी की गरिमामयी उपस्थिति ने इस समारोह को एक विशेष आध्यात्मिक गरिमा प्रदान की, जिससे जनसेवा के इन प्रयासों को नई प्रेरणा और दिशा मिली।इस पावन अवसर पर कई विशिष्ट विभूतियों, गणमान्य अतिथियों का सान्निध्य प्राप्त हुआ। समाज सेवा, नारी सशक्तिकरण, युवाओं के स्वरोजगार और जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा नन्दी सेवा संस्थान, आज एक प्रेरणास्पद संस्था है। माननीय मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी जी के करुणामय मार्गदर्शन में संचालित यह संस्थान सेवा, संवेदना और समर्पण का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा है। संस्थान द्वारा संचालित मां की रसोई आज न केवल भूखों के लिए भोजन का साधन है, बल्कि यह उनके लिए आश्वासन,

आत्मीयता और ममता का अनुभव भी है। प्रयागराज स्थित स्वरूपरानी नेहरू मेडिकल कॉलेज में आने वाले और भर्ती मरीजों तथा उनके साथ आने वाले परिजनों को स्वच्छ, पौष्टिक, गुणवत्तायुक्त व हाइजीनिक भोजन प्रदान करना वास्तव में सेवा का श्रेष्ठतम रूप है। मानवता की सेवा का आदर्श स्वरूप है मां की रसोई। जब एक परिवार किसी बीमार परिजन को लेकर अस्पताल पहुंचता है, तो उसकी प्राथमिकता होती है इलाज लेकिन इलाज के साथ भोजन की चिंता उन्हें मानसिक व आर्थिक रूप से कमजोर कर देती है। ऐसे में नन्दी सेवा संस्थान द्वारा संचालित यह रसोई, उन परिवारों के लिए भोजन का स्थल है साथ ही यह उनका संबल और सहारा भी बनती है। रोजाना सैकड़ों मरीजों और उनके परिजनों को गरम, स्वच्छ, स्वादिष्ट और संतुलित भोजन उपलब्ध कराना अपने-आप में एक विशाल आयोजन है। इस पुनीत कार्य में संलग्न स्वयंसेवकों की समर्पित भावना और संस्थान की सुदृढ़ व्यवस्था को देखकर सहज ही कहा जा सकता है कि यह रसोई सेवा की नहीं, बल्कि मां की ममता की प्रतीक है। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री माननीय श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश ने सुशासन, पारदर्शिता और लोककल्याण के नए आयाम स्थापित किए हैं और सामाजिक न्याय के क्षेत्रों में भी अभूतपूर्व प्रगति हुई है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मूलमंत्र को साकार रूप देते हुए अनेक योजनाएं लागू की गईं

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी थानों पर आयोजित किया गया थाना समाधान दिवस

जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने थाना लालगंज पर आए हुए फरियादियों की जन समस्याओं को सुना

भारत संवाद

मीरजापुर , शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी थानों पर थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा ने थाना लालगंज में आए हुए फरियादियों की जन समस्याओं को सुना तथा उनके त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को फरियादियों के शिकायतों का निस्तारण समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने इस अवसर पर पुरानी शिकायतों का फीडबैक भी लिया और जिसमें संतोषजनक निस्तारण नहीं पाया गया उसमें संबंधित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए उनकी पुनः जांच कर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश दिया। थाना लालगंज में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त पर 21 प्रार्थना पत्रों में से 02 का मौके पर निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्र को संबंधित अधिकारियों को इस निर्देश के साथ प्रेषित किया कि संबंधित अधिकारी गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करना सुनिश्चित करें।

थाना समाधान दिवस पर प्राप्त प्रार्थना पत्रों को थानावार विवरण निम्नांकित है —

थाना को0शहर 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना को0कटरा पर 07 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना विन्ध्याचल पर 32 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना को0देहात पर 24 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चील्ह पर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना कछवां पर 16 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना पड़री पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना हलिया पर 19 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना जिगना पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर पर 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 निस्तारित, थाना ड्रमण्डगंज पर 05 प्रार्थना पत्र प्राप्त 01 निस्तारित, थाना चुनार पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 13 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना अहरौरा पर 22 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना मड़िहान पर 09 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया ।

देवी सुदीक्षा ने विधिविधान से श्री कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर का शुभारंभ किया

भारत संवाद

सहारनपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष देहरादून रोड पर श्री कैलाश धाम शिव कांवड़ सेवा शिविर का उद्घाटन माता सुदीक्षा देवी ने आज सुबह शिविर में पूजा कर किया। शिविर के उद्घाटन अवसर पर देवी सुदीक्षा जी ने कहा कि भोले के भक्तों की सेवा करके जो पुण्य हमें मिलता है, उसकी गहराई का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। भक्तिरस में डूबे कांवडियों की सेवा से मन व चित्त शांत रहता है। शिविर में सम्बोधित करते प्रमुख व्यवसायी ललित पोपली ने कहा कि भोले भक्तों की सेवा श्री कैलाशधाम शिव कांवड सेवा शिविर काफी वर्षों से करता चला आ रहा है तथा धर्मलाभ ले रहा है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं व उनकी टीम पूरे वर्ष इस शिविर के लिए प्रतीक्षा करते हैं ताकि वे भोले भक्तों की सेवा तन-मन-धन से कर सकें। शिविर में कई गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

एसएलएमजी कोका कोला त्रिशुंडी प्लांट द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत, दस हजार पौधे लगाकर समाज में दिया बड़ा संदेश

पेड़ हमारी प्राणवायु का श्रोत -वाइस प्रेसिडेंट-पंकज कपूर

भारत संवाद

अमेठी (त्रिशुंडी) भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरूआत की गई। इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित रखना है।प्लांट के वरिष्ठ एवं वाइस प्रेसिडेंट (वीपी) पंकज ने टीम को इस महाअभियान के प्रति जागरूक किया और बताया कि किस तरह से हम ग्लोबल वार्मिंग से बच सकेंगे, पर्यावरण के प्रबंधक जय तिवारी ने लोगों को स्वस्थ्य एवं प्रदूषण मुक्त जीवन जीने के लिए पौधा रोपण कार्य के महत्व को बताते हुए अपने आस-पास पौधे लगाने के लिए संदेश दिया, जिससे लोगों को जीवन खुशहाल रहे।आने वाली पीढ़ियों का ध्यान रखते हुए और इस वर्ष सबसे ज्यादा गर्मी पड़ने से लोगों पर बुरा प्रभाव पड़ा।इससे हमें बचाने के लिए एसएलएमजी कोका कोला त्रिशुंडी, अमेठी द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 10000 पौध लगाए गए, प्रबंधक जय तिवारी ने कहा इसके द्वारा कार्बन उत्सर्जन की मात्रा कम होगी लोग अच्छी सांस लेंगे, ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव को बढ़ने से रोका जाएगा, और जंगलों की तरफ कटाई ना करें उसे बढ़ाएं और संरक्षित करें। उन्होंने साथ साथ जल संरक्षण का भी संदेश दिया और कहा कि एक छोटा से तालाब के रूप में पिट बनाएं वर्षा जल को रोकें, और पानी को रिचार्ज करें, जिससे जल स्तर बना रहे।पेड़ लगाकर, या वृक्षारोपण करके, हम वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को कम कर सकते हैं।पेड़ प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया के दौरान कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं, जिससे कार्बन को वायुमंडल से हटाने में मदद मिलती है। अधिक पेड़ लगाने से, हम वन आवरण का विस्तार कर सकते हैं, जो न केवल कार्बन को संग्रहित करने में मदद करता है, बल्कि मिट्टी को भी स्थिर करता है, वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करता है, और जल चक्र को विनियमित करने में भी मदद करता है. पेड़, पत्तियों में मौजूद क्लोरोफिल की मदद से, वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं और इसे ग्लूकोज (एक प्रकार का शुगर) में बदल देते हैं, जो उनके विकास के लिए आवश्यक है।ऊर्जा-कुशल उपकरणों का उपयोग करना और ऊर्जा संरक्षण के तरीकों को अपनाना, जैसे कि कम तापमान पर थर्मोस्टेट सेट करना, और ऊर्जा-बचत वाले बल्बों का उपयोग करना।शहरी वातावरण में छाया प्रदान करके ऊर्जा बचाने में पेड़ महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, क्योंकि ये शहरों में तापमान कम कर सकते हैं। एढअ के अनुसार, पेड़ों की छाया और उनके द्वारा छोड़ी जाने वाली जलवाष्प, बिना छाया वाले क्षेत्रों की तुलना में अधिकतम तापमान को 20-45°F (11-25°C) तक कम कर सकती है।इस अभियान में प्लांट के कर्मचारी बादल नागर, पवन अग्रहरि, दिनेश, नितेश राय, संदीप सारस्वत, पंकज त्रिपाठी नीरज राना , संजय यादव, तेज बहादुर आदि ने अपनी सहभागिता प्रस्तुत की।

फास्ट ट्रैक

स्वर्गीय शिवकुमार गुप्ता की 31वीं पुण्यतिथि पर भव्य संत समागम

देशभर से पहुंचे महामंडलेश्वर, साधु-संत, राजनेता और समाजसेवियों ने दी श्रद्धांजलि

बाबा लाल दास रोड स्थित शिवधाम मंदिर प्रांगण में हुआ ऐतिहासिक आयोजन

भारत संवाद

सहारनपुर। एनआरआई अजय गुप्ता एवं शिवधाम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बाबा लाल दास रोड स्थित शिवधाम मंदिर प्रांगण में स्वर्गीय शिवकुमार गुप्ता की 31वीं पुण्यतिथि अत्यंत श्रद्धा, सेवा और भक्ति भाव के वातावरण में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर देश के कोने-कोने से पधारे महामंडलेश्वर, साधु-संत, राजनेता, समाजसेवी व शहर के गणमान्य नागरिकों ने पुष्प अर्पित कर दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस विशेष आयोजन के मुख्य अतिथि जूना अखाड़ा के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर आचार्य अवधेशानंद गिरि महाराज रहे। उन्होंने गुप्ता परिवार के सतत प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे अपने पूर्वजों की स्मृति में सनातन संस्कृति को जीवित रखने का जो कार्य कर रहे हैं, वह अत्यंत प्रेरणादायक है।

कावड़ियों व श्रद्धालुओं के स्वागत व अभिनंदन के लिए नगर निगम ने बनवाये पहली बार विश्राम स्थल कावड़ यात्रा के रूट का नगर आयुक्त ने किया निरिक्षण बनावाये विश्वाम स्थल

कावड़ियों की सुख सुविधा को ध्यान में रखते हुए नगर निगम कराएगा उम्दा इंतजाम

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। सावन माह में आयोजित होने वाली पावन कावड़ यात्रा को लेकर अलीगढ नगर निगम सजग और मुस्टेदी से तैयारियों में जुटा हुआ है।इस आस्था व श्रद्धा की प्रतीक यात्रा को सुगम, सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने कावड़ यात्रा के प्रस्तावित रूट का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधीनस्थ अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि नगर निगम इस बार कावड़ियों की सेवा में कोई कमी नहीं छोड़ेगा।वहीं शुक्रवार को दोपहर में नगर आयुक्त ने अधीनस्थों को साथ लेकर पीएसी,रामघाट रोड, खैर बाईपास, खेरेश्वर धाम रोड का निरीक्षण किया।नगर आयुक्त ने यात्रा मार्ग को पूरी तरह गड्ढा मुक्त,जल भराव व धूल रहित और स्वच्छ बनाए जाने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण में उन्होंने कहा कि कावड़ियों को नगर सीमा में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए प्रत्येक विभागीय अधिकारी को ज़िम्मेदार बनाया गया है।विशेष रूप से सोमवार के दिन,जब कावड़ियों की संख्या अधिक होती है तब नगर निगम की टीम हर मंदिर और प्रमुख मार्ग पर मौजूद रहेगी। नगर आयुक्त ने बताया कि बारिश के कारण किसी भी आपात स्थिति व भारी बारिश की संभावना व कावड़ यात्रा के रुट डायवर्जन को देखते हुए जल निकासी के लिए अतिरिक्त सीवर सकिंग मशीने व बड़े मोबाइल पंप के साथ नगर निगम की आधा दर्जन से भी ज्यादा टीमें मुस्तैद रहेंगी साथ ही नगर आयुक्त ने जानकारी दी कि कावड़ यात्रियों के ठहराव और विश्राम के लिए नगर निगम पहली बार पांच स्थानों पर विश्राम स्थलों का निर्माण कराएगा, जिनमें शीतल पेयजल, लाइटिंग,टेंट और बैठने की सुविधाएं मौजूद रहेंगी और ये विश्राम स्थल क्वार्सी दीनदयाल उपाध्याय अस्पताल के सामने, गांधी पार्क, राजेंद्र अखाड़ा, जीटी रोड,खैर बायपास चोब सिंह इंटर कॉलेज के समीप और सासनी गेट पर बनाए गए हैं।नगर आयुक्त ने इस वर्ष कावड़ यात्रा के विशेष महत्व को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है कि प्रत्येक सोमवार को नगर निगम का विशेष स्वच्छता अभियान सभी प्रमुख मंदिरों के आसपास चलाया जाएगा। विशेष तौर पर शिव मंदिर,कावड़ मार्ग के समीप के मंदिर व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल इस अभियान में सम्मिलित रहेंगे।

जनसंख्या नियंत्रण कानून हो लागू: नरेंद्र पाल सिंह

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य,केंद्रीय मंत्री,125 सांसदों का समर्थनःनहीं लागू हो पा रहा जनसंख्या नियंत्रण कानून

भारत संवाद

अलीगढ़।जनसंख्या समाधान फाउंडेशन व राष्ट्रीय हिन्दू फ्रंट के बैनर तले शुक्रवार को मुख्यालय पर जनसंख्या कानून बनाने की मांग करते हुए धरना प्रदर्शन कर एक मांग पत्र जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधान मंत्री के नाम दिया गया। मांग पत्र में बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए कानून बनाया जाए।जिस तरह से जनसंख्या बढ़ रही है अगर इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो जनसंख्या बढ़ने से गृहयुद्ध के आसार बन जाएंगे। जिलाध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह ने कहा एक विशेष वर्ग साजिश के तहत जनसंख्या बढ़ाने में बड़ा योगदान कर रहा है।लोगों को रोजगार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।यदि जनसंख्या बढ़ने की यही गति रही तो लोग रोजी रोटी के लिए तरस जाएंगे।इसके नियंत्रण के लिए कानून बेहद जरूरी है।जिला महामंत्री गुरुदास प्रजापति ने कहा कि देश में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने के लिए फाउंडेशन लगातार संघर्ष कर रहा है।एक विशेष वर्ग द्वारा रणनीति के तहत जनसंख्या जानबुझकर बढ़ाई जा रही है,जिससे सनातन समाज की युवा पीढ़ी एक बच्चे तक सीमित रहने की प्रवृत्ति के कारण देश के अनेक भागों में छह वर्ष से कम आयु वर्ग के बच्चों में जनसंख्या का संतुलन उस वर्ग विशेष के पक्ष में झुकता दिखने लगा है।महामंत्री राजेश गुप्ता ने बताया कि विभिन्न सामाजिक वर्गों के बीच जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग को लेकर पिछले 11 वर्षों से फाउंडेश अभियान चला रहा है। इसे आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित 125 सांसदो का समर्थन प्राप्त है।इस मौके पर नरेंद्र वार्ष्णेय,सतीश गुप्ता,प्रताप लोधी, गजेंद्र पाल सिंह,करन माहौर राजबहादुर,गुप्ता,चंचल शर्मा,विनोद आर्य,रश्मि पंकज,राजौरी पाठक,राधा रानी,शीलू शर्मा,नीतू सिंह,रामकिशोर माहौर,अजब सिंह,लोधी,योगेश सिंघल,राजकुमार,अनिल तौमर विनोद शर्मा,राकेश ठाकुर,संजय सिंह, विकास दीक्षित आदि मौजूद रहे।

अज्ञात लुटेरे महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर कानों के कुंडल उड़ाए

भारत संवाद

सहारनपुर।जनपद के थाना बिहारीगढ़ के गांव औरंगाबाद में अज्ञात लूटेरों ने एक महिला को नशीला पदार्थ सुंघाकर कानों से सोने के कुंडल और पैरों की पाजेब निकाल कर फरार हो गए, इस वारदात के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।पीड़ित परिवार ने बिहारीगढ़ थाने में मामले की तहरीर दी है, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।वहीं बताया जा रहा है कि दूसरी घटना हसनावाला रोड स्थित घेर कर्मा गांव में हुई है, जहां देर रात संजय काम्बोज के घर के पीछे कुछ संदिग्ध लोगों को देखा गया शोर मचाने पर चोरों ने भागने की कोशिश करते हुए राह चलते बाइक सवार को धक्का देकर फरार हो गए।

सुखमा संस ने पगार में की कटौती तो फूटा गुस्सा,लगाया जाम, 7 कर्मचारियों की सेवा हुई समाप्त स्वास्थ्य अधिकारी ने कराया मुकदमा दर्ज

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ। आज महानगर में सूखमा कंपनी वापस जाओ सुखमा कंपनी हटाओ,सुखमा कंपनी हाय हाय के गगनभेदी नारों से सासनी गेट आगरा रोड पर लगाते सफाई कर्मचारियों ने जाम लगा दिया।कारण सुखमा कंपनी द्वारा पिछले माह का वेतन कटौती कर जारी किया गया था।कंपनी को सफाई कराने का ठेका नगर निगम द्वारा दिया गया है, जो नगर निगम के सफाई जोनल क्षेत्र के जोन 2 और जोन 4 में सफाई कार्य कराते हैं ।शनिवार को अचानक सुखमा कंपनी से जुड़े सैकड़ों सफाई कर्मचारी पुरुष व महिलाएं हाथों में झाड़ू,पंजी,लिए आगरा रोड पर एकत्रित होकर सुखमा संस का विरोध करते हुए नारेबाजी करने लगे और जाम लगा दिया।मौके पर थाना सासनी गेट प्रभारी पुलिस बल के साथ पहुंच गए उन्होंने सभी को समझाने का प्रयास भी किया लेकिन सभी कर्मचारी और उनके नेता करन व प्रशांत मौके पर कंपनी के हेड को बुलाने की मांग करने लगे, कंपनी पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन करते रहे।भाजपा के कर्मचारी नेता राहुल चेतन भी मौके पर पहुंच गए। मौके पर मौजूद नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार की भी बात नहीं मानी और उनसे अभद्रता कर दी। बड़ी मुश्किल से सफाई कमचारियों को समझाबुझा कर जाम खुलवाया गया। सफाई कर्मी करन ने सुखमा संस पर गंभीर आरोप लगाए जिसका वीडियो वायरल होने पर कंपनी द्वारा तत्काल सेवा समाप्त करने का आदेश जारी कर दिया गया,6,अन्य कर्मचारी प्रशांत,रवि राज,विशाल,के अलावा तीन अन्य की भी सेवा समाप्त कर दी गई है।कंपनी द्वारा सेवा समाप्त के पत्र में आरोप लगाया गया है कि आपके द्वारा हड़ताल में शामिल हो कर अनुशासनहीनता के साथ हिंसात्मक व्यवहार किया गया है साथ ही नगर स्वास्थ्य अधिकारी के साथ शारीरिक झड़प की गई है।नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मुकेश कुमार ने 4 सफाई कर्मी करन,रवि राज,अंकुश,रविन्द्र व अन्य के खिलाफ थाना सासनी गेट में विभिन्न धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराया है। सेवा समाप्त की सूचना नगर आयुक्त व नगर स्वास्थ्य अधिकारी को भी भेज दी गई है।

बाइवॉल्व प्रजातियों से डीएनए प्राप्त करने की सरल और हानिरहित विधि विकसित

भारत संवाद

स्विट्ज रलैंड स्थित ज्यूरिख विश्वविद्यालय के फोरेंसिक मेडिसिन संस्थान के फोरेंसिक जेनेटिक्स विभाग और भारत के जीवविज्ञानी डॉ. अजय कुमार सोनकर के बीच हुए एक महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सहयोग से बाइवॉल्व (समुद्री सीप जैसी द्विदल प्रजातियों) से उच्च गुणवत्ता वाला डीएनए प्राप्त करने की एक सस्ती, सरल और पूरी तरह अहानिकर विधि विकसित की गई है।इस विधि को प्रतिष्ठित शोध पत्रिका MethodsX में प्रकाशित किया गया है। इसमें साधारण कॉटन कॉस्मेटिक स्वैब्स और Chelex रेज़िन का उपयोग किया गया है, जिससे बिना किसी विशेष उपकरण या हानिकारक रसायन के डीएनए निकाला जा सकता है।यह तकनीक कम लागत पर (प्रति सैंपल 20 से भी कम खर्च) बहुत कम समय और न्यूनतम प्रशिक्षण के साथ फील्डवर्क के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुई है। संयुक्त बयान में डॉ. बर्टलान लेंडवे और डॉ. अजय कुमार सोनकर ने कहा कि पारंपरिक डीएनए सैंपलिंग विधियाँ अक्सर आक्रामक होती हैं, जिससे जीवों को क्षति या तनाव होता है। हमारा उद्देश्य एक ऐसी सरल और प्रभावी विधि विकसित करना था, जिससे बाइवॉल्व प्रजातियों से उच्च गुणवत्ता का डीएनए इस तरह निकाला जा सके कि उन्हें कोई हानि न पहुँचे। यह विधि 3फ सिद्धांत (Replace, Reduce, Refine) का पालन करती है और अत्यंत किफायती भी है। उन्होंने आगे कहा कि यह तकनीक इतनी सहज और सस्ती है कि इसे दूरदराज के क्षेत्रों में भी आसानी से अपनाया जा सकता है। इसका उपयोग जैव विविधता संरक्षण, जलीय कृषि प्रबंधन और मोती की प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में किया जा सकेगा। यह शोध इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है कि किसी भी अनुसंधानकर्ता या पालनकर्ता को विशेष उपकरणों और महंगे किट्स पर निर्भर न रहना पड़े। इस विधि को सेशेल्स, हवाई, म्यांमार और अंडमान द्वीप समूह के Pinctada margaritifera और Pinctada maxima प्रजातियों पर सफलतापूर्वक आजमाया गया। इन नमूनों से प्राप्त डीएनए से स्पष्ट जीन प्रोफाइल तैयार हुए, जिनसे प्राकृतिक आबादी की पहचान और वर्गीकरण संभव हो सका। यह विधि न केवल जीवों को बिना क्षति के सैंपलिंग की सुविधा देती है, बल्कि यह प्रमाणित करती है कि बिना महंगे संसाधनों के भी विश्वस्तरीय अनुसंधान संभव है। ज्यूरिख विश्वविद्यालय का फोरेंसिक जेनेटिक्स विभाग दुनिया भर में डीएनए विश्लेषण, फॉरेंसिक और पारिस्थितिकी आधारित अनुसंधान के क्षेत्र में अग्रणी है। डॉ. अजय कुमार सोनकर मोती उत्पादन, ऊतक- संस्कृति और समुद्री जैविकी में अपने योगदान के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त भारतीय वैज्ञानिक हैं।

कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का महापर्वः महापौर

नगर निगम ने कुतुबशेर तिराहे पर किया कांवड़ यात्रा व्यवस्था कैंप का शुभारंभ

भारत संवाद

सहारनपुर। नगर निगम द्वारा कुतुबशेर तिराहे पर आज एक कांवड़ यात्रा व्यवस्था कैंप का शुभारंभ किया गया। महापौर डॉ. अजय कुमार, नगरायुक्त शिपू गिरी व कांवड़ संचालक सेवा संघ के अध्यक्ष संजय फुटेला ने रिबन काटकर कैंप का शुभारंभ किया। इस अवसर पर निगम द्वारा एक स्वच्छता रैली भी निकाली गयी। कार्यक्रम में उपस्थित सभी पार्षदों, शिविर संचालकों व अतिथियों को पौधे भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। महापौर डॉ. अजय कुमार ने कहा कि कांवड़ यात्रा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का महापर्व है। यह पर्व हमें एक दूसरे की संस्कृति और संस्कारों से भी अवगत कराता है। कांवड़ यात्रा के दौरान कांवड़ शिविरों एवं कांवडियों को पथ प्रकाश, साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल तथा शौचालय आदि की सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निगम अधिकारी-कर्मचारी रात दिन जुटे है।

विशेष रेलगाड़ी का संचालन

भारतीय रेल द्वारा श्रावण मास में कावड़ यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं/यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ी के संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत है:—

गाड़ी संख्या 04158/04157 गोविन्दपुरी-आसनसोल जं. अनारक्षित विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या 04158 गोविन्दपुरी-आसनसोल जं.			गाड़ी संख्या 04157 आसनसोल जं.-गोविन्दपुरी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
–	08:15	गोविन्दपुरी	08:40	–
09:15	09:17	फतेहपुर	06:10	06:12
09:45	09:47	खागा	05:33	05:35
10:10	10:12	सिराथू	05:00	05:02
10:28	10:30	भरवारी	04:38	04:40
11:40	11:45	प्रयागराज जं.	03:55	04:00
14:25	14:30	बनारस	01:20	01:25
14:45	14:55	वाराणसी जं.	01:00	01:10
17:00	17:05	गाजीपुर सिटी	23:10	23:15
18:05	18:10	बलिया	22:05	22:10
18:38	18:40	सहतवार	21:43	21:45
19:08	19:10	सुरेमनपुर	21:20	21:22
20:10	20:20	छपरा जं.	20:40	20:50
21:05	21:07	बड़ागोपाल	18:07	18:09
21:20	21:22	दिघवारा	17:55	17:57
21:35	21:37	नयागांव	17:47	17:49
22:05	22:07	सोनपुर	17:30	17:32
22:17	22:22	हाजीपुर जं.	17:15	17:20
22:40	22:42	अक्षयवट राय नगर	16:35	16:37
23:02	23:04	देसरी	16:10	16:12
23:18	23:20	महनार रोड	15:48	15:50
23:30	23:32	शाहपुर पटौरी	15:35	15:37
23:42	23:44	मोहिउद्दीन नगर	15:13	15:15
23:52	23:54	विद्यापति धाम	15:02	15:04
00:03	00:05	बछवाड़ा जं.	14:50	14:52
00:40	00:50	बरौनी जं.	14:20	14:30
01:50	01:52	बड़हिया	12:38	12:40
02:00	02:02	डुमरी हाल्ट	12:25	12:27
02:12	02:14	मनकठा	12:16	12:18
02:20	02:22	लखीसराय जं.	12:07	12:09
02:30	02:32	किऊल जं.	12:00	12:02
02:52	02:54	जमुई	11:30	11:32
03:25	03:30	झाझा	11:00	11:05
04:01	04:11	जसीडीह जं.	09:45	09:55
04:31	04:33	मधुपुर जं.	08:53	08:55
05:11	05:13	चितरंजन	08:10	08:12
06:30	----	आसनसोल जं.	----	07:45

• **गोविन्दपुरी से :** गाड़ी संख्या 04158 दिनांक 14.07.2025 से 11.08.2025 तक (प्रत्येक सोमवार) • **आसनसोल जं. से :** गाड़ी संख्या 04157 दिनांक 15.07.2025 से 12.08.2025 तक (प्रत्येक मंगलवार)

उपरोक्त के अतिरिक्त : गाड़ी संख्या 12538 प्रयागराज जं.-मुजफ्फरपुर जं. एक्सप्रेस का प्रयागराज जं. पर प्रस्थान के समय में संशोधन किया गया है जिसका विवरण निम्नवत है।

गाड़ी संख्या एवं नाम	वर्तमान समय	परिवर्तित समय	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
12538 प्रयागराज जं.-मुजफ्फरपुर जं. एक्सप्रेस	प्रस्थान 04:45	प्रस्थान 04:50	14.07.2025

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1225/25 (C)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

खाने-पीने की इन चीजों का सेवन करने से बचें

कम हो जाएगा लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा

अगर आप अपने लिवर की सेहत को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं, तो आपको अपने खान-पान पर खास ध्यान देने की जरूरत है। अनहेल्दी खान-पान की वजह से आपका लिवर बुरी तरह से डैमेज हो सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लिवर खून को साफ करने का काम करता है और अगर आपका लिवर हेल्दी नहीं रहेगा तो आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

फ्राइड फूड्स से परहेज करने की कोशिश करें

जो लोग अक्सर फ्राइड फूड्स खाते हैं, उन्हें लिवर से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। तला-भुना खाना लिवर में सूजन पैदा कर सकता है। लिवर से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए फ्राइड फूड्स से परहेज करने में ही समझदारी है।

शुगरी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए

क्या आप अक्सर शुगरी ड्रिंक्स पीते हैं? अगर हां, तो आपकी इस आदत की वजह से लिवर से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। फैटी लिवर समेत दूसरी लिवर से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए शुगरी ड्रिंक्स को अपने डाइट प्लान में शामिल न करें।

नुकसान पहुंचा सकता है प्रोसेस्ड मीट

अगर आप भी अक्सर प्रोसेस्ड मीट का सेवन करते हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक प्रोसेस्ड मीट आपके लिवर की सेहत को बुरी तरह से प्रभावित कर सकता है। यही वजह है कि आपको लिमिट में रहकर ही प्रोसेस्ड मीट को कंज्यूम करना चाहिए।

घातक साबित हो सकती है शराब पीने की आदत

अगर आप शराब पीते हैं, तो न केवल आपका लिवर बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ बुरी तरह से डैमेज हो सकती है। सेहत से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने के लिए आपको शराब पीना छोड़ देना चाहिए।

दूध के साथ करें इन चीजों का सेवन

दूर हो जाएगी विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी12 की कमी आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए आपको इस जरूरी पोषक तत्व की कमी को जल्द से जल्द दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। इसके लिए आप अपने डाइट प्लान में थोड़े बहुत बदलाव कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि दूध के साथ कुछ चीजों को कंज्यूम करके आपको विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा मिल सकता है।

खा सकते हैं खजूर - विटामिन बी12 की कमी को दूर करने के लिए खजूर का सेवन किया जा सकता है। रात में सोने से पहले दो से चार खजूर को गुनगुने दूध के साथ कंज्यूम करने से जल्द ही विटामिन बी12 की कमी दूर हो सकती है। इसके अलावा इस तरह से खजूर का सेवन करके आप अपनी स्लीप क्वॉलिटी को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

दूध के साथ पनीर खाएं - पनीर में विटामिन बी12 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। सोने से पहले गुनगुने दूध के साथ थोड़ा सा पनीर खाएं और विटामिन बी12 की कमी से छुटकारा पाएं। अगर आप अंडा खा लेते हैं, तो दूध के साथ बॉइल्ड एग को भी कंज्यूम कर सकते हैं। दूध के साथ पनीर या फिर अंडे का सेवन करके आप अपनी ओवरऑल हेल्थ को भी काफी हद तक सुधार सकते हैं।

फायदेमंद साबित होगा मेथी दाना 9

अमरूद के पत्तों में छिपा है सेहत का खजाना

जानें इससे मिलते हैं कौन से फायदे और सेवन का सही तरीका

अमरूद का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं अमरुद के पत्तों भी आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर होते हैं। अमरुद के पत्तों में एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनिरल्स होते हैं जो समग्र स्वास्थ्य का समर्थन कर सकते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं अमरुद का सेवन करने से सेहत को कौन से फायदे होते हैं और इसका इस्तेमाल कैसे करें?

अमरुद के पत्तों से मिलते हैं ये फायदे:

पाचन होता है बेहतर: अमरूद के पत्ते एसिडिटी को कम करके और पोषक तत्वों के बेहतर अवशोषण को बढ़ावा देकर दस्त और सूजन जैसी पाचन समस्याओं में मदद कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है मजबूत: अमरूद के पत्तों में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट के उच्च स्तर प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

स्किन से जुड़ी परेशानियां होती हैं दूर: अमरूद के पत्तों का उपयोग उनके विरोधी भड़काऊ और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के कारण मुँहासे, काले धब्बे और उम्र बढ़ने के संकेतों सहित विभिन्न त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए किया जा सकता है।

दांतों के लिए फायदेमंद: अमरूद के पत्तों को चबाने से दांत दर्द और मसूड़ों की समस्याओं को कम करने में मदद मिल सकती है। इसमें मौजूद जीवाणुरोधी गुण मसूड़ों की बीमारी, दांत दर्द और सांसों की बदबू को रोकने में मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य के लिए लाभकारी: अमरूद के पत्ते खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करके और संभावित रूप से रक्तचाप विनियमन का समर्थन करके हृदय स्वास्थ्य में योगदान दे सकते हैं।

रक्त शर्करा नियंत्रण: अमरूद के पत्ते रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करते हैं, संभावित रूप से मधुमेह वाले व्यक्तियों या जोखिम वाले लोगों को लाभ पहुंचा सकते हैं।

पीरियड्स के दर्द में फायदेमंद: अमरूद के पत्ते मासिक धर्म में ऐंठन के लिए भी लाभ प्रदान कर सकते हैं, संभावित रूप से दर्द की तीव्रता को कम करने के साथ-साथ वजन घटाने में भी सहायता कर सकते हैं।

कैसे करें अमरुद के पत्तों का इस्तेमाल?

ताजे या सूखे अमरूद के पत्तों को 5-10 मिनट तक पानी में उबालें फिर उसे छानकर पिएं। आप स्वाद के लिए शहद या नींबू मिला सकते हैं। अमरूद के पत्तों को पानी में उबालकर ठंडा होने दें। शैम्पू करने के बाद ठंडे पानी से बालों को धोएँ, इससे बाल मज़बूत होंगे और बालों का झड़ना कम होगा। आराम और सुगंधित स्नान के लिए अपने नहाने के पानी में अमरूद के पत्ते डालें।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए अंजीर का पानी

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अंजीर के पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम, कैल्शियम, विटामिन ए, विटामिन बी, विटामिन के, फाइबर, प्रोटीन, आयरन और जिंक समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इस ड्राई फ्रूट के पानी को ओवरऑल हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता है। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको सुबह-सुबह खाली पेट अंजीर का पानी पीना चाहिए।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अगर आप पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अंजीर का पानी आपकी गट हेल्थ के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा फाइबर रिच अंजीर का पानी पीकर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को भी आसान बना सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

क्या आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं? अगर हां, तो आपको अंजीर के पानी को अपने डेली डाइट प्लान का हिस्सा बना लेना चाहिए। अंजीर के पानी में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपके दिल की सेहत को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकते हैं। अंजीर का पानी आपकी बोन हेल्थ के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

मिलेंगे एक से बढ़कर एक फायदे

जो लोग कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, उन्हें अंजीर का पानी पीने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए भी इस ड्राई फ्रूट के पानी को कंज्यूम किया जा सकता है। सेहत से जुड़ी इन समस्याओं से छुटकारा पाने और शरीर को फौलादी बनाने के लिए हर रोज सुबह-सुबह अंजीर का पानी पीना शुरू कर दीजिए और महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर देखिए।

कितनी देर में खराब हो जाती है चाय?

कई लोगों को इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि सर्दियों का मौसम चल रहा है या फिर गर्मियों का, उन्हें दिन में एक से दो बार चाय तो पीनी ही होती है। कुछ लोग अपने दिन की शुरुआत चाय से करते हैं, तो वहीं कुछ लोग अपनी थकावट को दूर करने के लिए चाय का सेवन करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक साबित हो सकता है?

कितनी देर में हो जाती है खराब?

दूध वाली चाय को ज्यादा देर तक नहीं रखना चाहिए। एक बार आपने चाय को पका लिया, तो आपको चाय को ठंडा होने से पहले पी लेना चाहिए। चाय को आधे घंटे से पहले ही पी लेना चाहिए। दूध वाली चाय हर्बल टी की तुलना में जल्दी खराब हो जाती है। हर्बल टी को आप कुछ घंटों तक फ्रिज में स्टोर करके रख सकते हैं।

डाइजेस्टिव सिस्टम पर पड़ सकता है बुरा असर

अगर आपने ज्यादा देर तक रखी हुई चाय को पिया, तो आपके डाइजेस्टिव सिस्टम पर बुरा असर पड़ सकता है। छोटी सी लगने वाली इस गलती की वजह से एसिडिटी, कब्ज और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इसके अलावा चाय को ज्यादा देर तक रखने के कारण उसके अंदर मौजूद पोषक तत्व भी कम होते चले जाते हैं।

सुबह खाली पेट पिएं ये देसी ड्रिंक्स, वजन होगा तेजी से कम

अगर आपका वजन तेजी से बढ़ रहा है तो उसे कम करने के लिए अपनी डाइट में इन कुछ देसी ड्रिंक्स को शामिल करें। इन ड्रिंक्स को खाली पेट पीने से न केवल वजन कम होता है बल्कि सेहत से जुड़े अन्य कई फायदे मिलते हैं। संतुलित आहार और नियमित व्यायाम के साथ अपनी सुबह की दिनचर्या में इन ड्रिंक्स को शामिल करने से मेटाबॉलिज़्म तेज होता है जिससे वजन कम करना आसान हो जाता है। चलिए जानते हैं किन ड्रिंक्स के सेवन से बढ़ते मोटापे पर लगाम लगाया जा सकता है।

इन देसी ड्रिंक्स से करें दिन की शुरुआत:

नींबू पानी: नींबू पानी विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है। खाली पेट सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने, पाचन में सुधार करने और पेट भरा होने का एहसास दिलाती है। एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस निचोड़ें। अच्छी तरह से हिलाएँ और इसे खाली पेट पिएँ।

जीरा पानी: जीरा रसोई का एक मुख्य हिस्सा है। जीरा पानी वजन कम करने के साथ आपका पाचन भी दुरुस्त करता है। साथ ही यह जीरा पानी पाचन एंजाइमों को एक्टिव करता है, जिससे खाना आसानी से पच जाता है। जीरा पानी पेट फूलना, कब्ज और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। एक कप पानी में 1 चम्मच जीरा रात भर भिगोएँ। सुबह इसे उबालें, छान लें और इसे गर्म-गर्म पीएँ। नाश्ते से कम से कम 20 मिनट पहले इसे पिएँ।

आंवला का जूस: आंवला विटामिन सी से भरपूर होता है और बेहतर पाचन को बढ़ाता है, वजन को कम करता है, मेटाबॉलिज़्म बढ़ाता है और बॉडी को डिटॉक्सफाई करता है। एक गिलास गर्म पानी में 2 बड़े चम्मच ताज़ा आंवला का जूस मिलाएँ। इसे खाली पेट पिएँ। इसे चाय या कॉफ़ी के साथ पीने से बचें।

दालचीनी का पानी: अगर आप वजन तेजी से कम करना चाहते हैं तो दालचीनी के पानी से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। दालचीनी का पानी चयापचय को तेज़ करने और इंसुलिन के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद कर सकता है, जिससे वजन प्रबंधन में सहायता मिलती है। एक कप पानी उबालें और उसमें एक चम्मच दालचीनी पाउडर या दालचीनी की एक छड़ी डालें। इसे 10 मिनट तक भीगने दें। छान लें और गरम-गरम पी लें।

ट्रम्प के 40% टैरिफ लगाने पर म्यांमार ने खुशी जताई

सैन्य नेता बोले- यह हमारे लिए सम्मान की बात, ट्रम्प के लीडरशिप की तारीफ की

एजेंसी

नेपीदॉ, ट्रम्प ने म्यांमार पर भी 40% टैरिफ लगा दिया है लेकिन फिर भी वहां के नेता इसे अपने लिए अच्छी खबर मान रहे हैं। म्यांमार के सैन्य प्रमुख मिन आंग ह्लाइंग ने ट्रम्प के टैरिफ लेटर को अपनी सैन्य सरकार के लिए इसे एक मान्यता के तौर पर देख रहे हैं। मिन आंग ह्लाइंग ने ट्रम्प के लेटर के जवाब में अंग्रेजी और बर्मी भाषाओं में एक लंबी चिट्ठी जारी की है। चिट्ठी में ह्लाइंग ने ट्रम्प की लीडरशिप की तारीफ की है और सैन्य सरकार के सत्ता कब्जाने को सही ठहराया है। उन्होंने कहा कि ह्यजैसे साल 2020 में अमेरिका में चुनाव में गड़बड़ी हुई थी, ठीक वैसे ही म्यांमार में भी चुनावी धोखाधड़ी हुई थी।ह्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले कुछ दिनों से दुनिया के कई नेताओं को पत्र भेजकर उनके देशों के निर्यात पर टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी दे रहे हैं। ट्रम्प के इस कदम से दुनिया के ज्यादातर देश परेशान हैं। लेकिन म्यांमार इसे एक मौके के रूप में देख रहा है। म्यांमार के सैन्य प्रमुख ह्लाइंग ने

इसका फायदा उठाते हुए ट्रम्प से अपील की है कि वे म्यांमार पर लगे प्रतिबंधों को हटाएं या कम करें, क्योंकि इससे दोनों देशों के हितों में दिक्कतें आती हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका को म्यांमार पर सिर्फ 10-20% का टैरिफ लगाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि म्यांमार अमेरिका की विशाल अर्थव्यवस्था से जुड़े रहना चाहता है और जरूरत पड़ी तो म्यांमार जल्द ही अमेरिका से बातचीत के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भेज सकता है। ट्रम्प की नीतियों की तारीफ करते हुए ह्लाइंग ने रेडियो फ्री एशिया और वॉयस ऑफ अमेरिका जैसे स्वतंत्र मीडिया संस्थानों की फंडिंग में कटौती करने के फैसले की तारीफ की। उन्होंने कहा कि ये मीडिया संस्थान ह्यसंघर्षों को और बढ़ा देते थे। रेडियो फ्री एशिया और वॉयस ऑफ अमेरिका ने अब म्यांमार में बर्मी भाषा में प्रसारण बंद कर दिए हैं, क्योंकि ट्रम्प प्रशासन ने उनके लिए मिलने वाली सहायता रोक दी थी। अब इस पूरे घटनाक्रम में ट्रम्प का लेटर सैन्य शासन के लिए कूटनीतिक जीत की तरह प्रस्तुत किया जा रहा है। अमेरिकी न्यूज चैनल सीएनएन ने अमेरिकी दूतावास से इस पत्र को लेकर सफाई मांगी है कि क्या यह ट्रम्प प्रशासन की ओर से नीतिगत बदलाव का संकेत है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक जवाब नहीं मिला है। गौरतलब है कि म्यांमार की सेना ने साल 2021 में आंग सान सू की की चुनी हुई सरकार को हटाकर देश पर कब्जा कर लिया था, जिससे म्यांमार गृहयुद्ध में फंस गया। इसके बाद अमेरिका ने म्यांमार के कई सैन्य नेताओं पर प्रतिबंध लगा दिए थे। मिन आंग ह्लाइंग ने 2021 में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई आंग सान सू की की सरकार को हटाकर तख्तापलट किया था। अमेरिका और बाकी पश्चिमी देशों ने सैन्य सरकार को मान्यता नहीं दी है। म्यांमार की सैन्य सरकार फिलहाल रूस और चीन जैसे देशों की मदद पर निर्भर है। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और ब्रिटेन ने म्यांमार के सैन्य नेताओं पर प्रतिबंध लगा रखा है। संयुक्त राष्ट्र ने भी इन्हें युद्ध अपराधों का दोषी मानता है। हालांकि ट्रम्प के टैरिफ लेटर के बाद अमेरिका और पश्चिमी देशों की नीति में बदलाव की अटकलें लगने लगी हैं। म्यांमार में गृहयुद्ध की शुरूआत 1 फरवरी, 2021 को हुए सैन्य तख्तापलट से हुई, जब सेना ने नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी (एनएलडी) की निर्वाचित सरकार को उखाड़ फेंका और आंग सान सू की सरकार के नेताओं को हिरासत में लिया। 2020 के चुनावों में एनएलडी की जीत को सेना ने धोखाधड़ी करार दिया, जिसके बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए।

पाकिस्तान बोला-भारत 6 लड़ाकू विमान खोने की बात माने

एनएसए डोभाल ने कहा था- ऑपरेशन सिंदूर में भारत के नुकसान की एक भी फोटो नहीं

एजेंसी

इस्लामाबाद, पाकिस्तान ने शुक्रवार को फिर से भारत के 6 लड़ाकू विमानों को गिराने का दावा किया है। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने प्रेस ब्रीफिंग में भारत को लड़ाकू विमान गंवाने की बात मानने को कहा। अली खान ने कहा- भारत को काल्पनिक कहानियों का सहारा लेने के बजाय यह स्वीकार करना चाहिए कि भारत के छह लड़ाकू विमानों को मार गिराया गया और दूसरे मिलिट्री ठीकानो को गंभीर नुकसान पहुंचा। दरअसल, अजित डोभाल ने

शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर पर पहली बार बयान दिया था। उन्होंने कहा- भारत को नुकसान की खबरें चलाई गईं, लेकिन विदेशी मीडिया कोई भी फोटो या सैटेलाइट इमेज नहीं दिखा पाया। ना यह बता पाया कि नुकसान क्या हुआ। वहीं, खान ने डोभाल के बयान को झूठे और गलत जानकारी से भरे हुए बताया। अली खान ने कहा- ये बयान जनता को गुमराह करने के लिए जानबूझकर किया गया प्रयास हैं। इसके अलावा प्रवक्ता ने इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों का उल्लंघन बताया। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान से पहले 23 मई को सेना के प्रवक्ता अहमद चौधरी ने संघर्ष के दौरान भारत के 6 विमान मार गिराने का दावा किया था, जिनमें से 3 राफेल थे। उन्होंने यह दावा ब्रिटिश मीडिया से बात करते हुए किया। अली खान ने कहा, भारत पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है, उनका मकसद साफ है, और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अब इसके बारे में अधिक जागरूक हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, शुरूआत में, भारत द्वारा फैलाया गया आतंकवाद पाकिस्तान को निशाना बना रहा था, लेकिन हाल के दिनों में यह वैश्विक हो गया है। अगर भारत के इस दुर्भावनापूर्ण रवैये पर लगाम नहीं लगाई गई, तो हम इसके परिणाम देख चुके हैं। अली खान ने भारत पर वैश्विक हत्या अभियान चलाने का आरोप लगाया, जिसमें कनाडा, अमेरिका और अन्य देशों में लोगों को निशाना बनाया गया।

शुक्रवार को आईआईटी मद्रास के 62वें दीक्षांत समारोह में डोभाल बोले, 'टेक्नोलॉजी और वॉरफेयर के बीच संबंध हमेशा महत्वपूर्ण होता है। हमें ऑपरेशन सिंदूर पर नाज है। हमें गर्व है कि इस दौरान हमने स्वदेशी तकनीक इस्तेमाल की।

बांग्लादेश में हिंदू समर्थक अर्थशास्त्री अबुल बरकत गिरफ्तार

भ्रष्टाचार का आरोप; कहा था- देश में 2046 तक हिंदू नहीं बचेंगे

एजेंसी

ढाका, बांग्लादेश में मशहूर अर्थशास्त्री अबुल बरकत को भ्रष्टाचार से जुड़े एक मामले में शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक 20 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने गुरुवार देर रात बरकत के घर पर छापा मारा था। इसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। बरकत चार दशकों तक ढाका विश्वविद्यालय में पढ़ा चुके हैं। उन्हें 2009 में पीएम शेख हसीना के शासनकाल में जनता बैंक का अध्यक्ष बनाया गया था। वे हिंदू अल्पसंख्यकों की वकालत के लिए भी जाने जाते हैं। बरकत ने कट्टरपंथी इस्लामी विचारधाराओं, विशेषकर जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों की खुलकर आलोचना की है। बरकत ने साल 2016 में चेतावनी दी थी कि अगर अल्पसंख्यकों पर हमले और उनकी संपत्तियों पर अवैध कब्जा जारी रहा, तो आने वाले 30 वर्षों में बांग्लादेश में एक भी हिंदू नहीं बचेगा। उनका यह बयान बांग्लादेश में काफी चर्चित हुआ था और कुछ हलकों में विवादित भी था। अबुल बरकत पर आरोप है कि उन्होंने अपने कार्यकाल में रेडीमेड गारमेंट कंपनी एनॉनटेक्स ग्रुप को गलत तरीके से कर्ज दिलवाने में मदद की और जनता बैंक से जुड़े 2.97 अरब टका (लगभग 225 करोड़ रुपए) का गबन किया। बांग्लादेश के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने इस मामले में उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। जांच एजेंसी का आरोप है कि बरकत ने फर्जी दस्तावेज बनाए,

काल्पनिक इमारतों और फैक्ट्रियों के नाम पर लोन पास करवाए और खरीदी गई जमीन की कीमत जानबूझकर बहुत अधिक दर्शाई ताकि ज्यादा लोन मिल सके। इस मामले में अबुल बरकत समेत कुल 23 लोगों को आरोपी बनाया गया है, जिनमें बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अतीउर रहमान का नाम भी शामिल है। शुक्रवार को कोर्ट में पेशी के दौरान एसीसी ने तीन दिन की रिमांड की मांग की, जबकि बचाव पक्ष ने जमानत की याचिका दाखिल की। अदालत ने फिलहाल दोनों याचिकाओं पर कोई फैसला नहीं सुनाया और तब तक के लिए बरकत को जेल भेजने का आदेश दिया। बरकत की बेटी अरुणी बरकत ने मीडिया से बातचीत में बताया कि रात में 20-25 लोग, जो खुद को पुलिसकर्मी बता रहे थे, उनके पिता के बेडरूम में घुसकर बिना गिरफ्तारी वारंट दिखाए उन्हें ले गए। परिवार को उनके खिलाफ दर्ज मामले की कोई पूर्व जानकारी नहीं थी और उन्हें यह भी नहीं बताया गया कि उन्हें क्यों हिरासत में लिया गया है। अरुणी ने कहा कि उनके पिता ने 40 साल तक ढाका विश्वविद्यालय में पढ़ाया। हमेशा समाज के कमजोर वर्गों के लिए काम किया। अब उन्हें बिना जांच के गिरफ्तार किया जाना गलत है। अबुल बरकत को जापान ने साल 2022 में ऑर्डर ऑफ द राइजिंग सन जैसे अंतरराष्ट्रीय सम्मान से नवाजा था। बरकत ने साल 2016 में पॉलिटिकल इकोनॉमी ऑफ रिफॉर्मिंग एग्रीक्लचर लैंड-वाटर बॉडीज इन बांग्लादेश लिखी थी। इस किताब में उन्होंने दावा किया था कि 1964 से 2013 के बीच बांग्लादेश से 1.13 करोड़ हिंदू धार्मिक उत्पीड़न की वजह से देश छोड़कर चले गए हैं। बरकत के मुताबिक साल 2016 में हर दिन 632 हिंदू, यानी कि हर साल 2,30,612 हिंदू देश छोड़ रहे थे। उन्होंने इसी आधार पर चेतावनी दी थी कि अगर ऐसा चलता रहा तो 2046 तक बांग्लादेश में कोई हिन्दू नहीं बचेगा। बरकत ने अपनी किताब में यह भी बताया कि सरकार ने शत्रु संपत्ति घोषित कर 60% हिंदुओं की जमीनें छीन ली हैं।

एप्स्टीन सेक्स स्कैंडल की फाइल्स पर ट्रम्प प्रशासन में विवाद

एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉनजीनो इस्तीफा दे सकते हैं

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआई के डिप्टी डायरेक्टर डैन बॉनजीनो अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। सीएनएन के मुताबिक उन्होंने इस पर विचार भी शुरू कर दिया है। इसके पीछे जेफरी एपस्टीन केस से जुड़ी फाइलों के खुलासे पर व्हाइट हाउस, एफबीआई और अमेरिका के न्याय विभाग (डीओजे) के बीच चल रहा विवाद बड़ी वजह माना जा रहा है। बॉनजीनो और अटॉर्नी जनरल

पाम बॉन्डी के बीच इस सप्ताह एक तेज बहस के बाद स्थिति और अधिक खराब हो गई है। बुधवार को एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल, बॉनजीनो, बॉन्डी और ट्रम्प की चीफ ऑफ स्टाफ सूजी वाइल्स की बैठक हुई। रिपोर्ट के मुताबिक इस बैठक में यह विवाद खुलकर सामने आया। बुधवार को हुई बैठक में यह सवाल किया गया कि क्या एफबीआई की तरफ से एक मीडिया रिपोर्ट लीक की गई थी जिसमें दावा किया गया कि एजेंसी और अधिक जानकारी सार्वजनिक करना चाहती थी, लेकिन जस्टिस डिपार्टमेंट ने रोक दिया। हालांकि, बॉनजीनो ने इस रिपोर्ट को लीक करने से इनकार किया, लेकिन उन्होंने उस रिपोर्ट के समर्थन में दिए गए बयान पर हस्ताक्षर भी नहीं किए। बॉनजीनो और काश पटेल महीनों से बॉन्डी से नाराज थे। बॉन्डी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि एफबीआई अभी भी मामले की समीक्षा कर रही है, जबकि वह जांच पहले ही न्याय विभाग को सौंप दी गई थी। इस लेकर नाराजगी और बढ़ गई। बॉनजीनो की नाराजगी का एक और कारण 10 घंटे का एक निगरानी वीडियो है। वीडियो में 1 मिनट की क्लिप गायब थी, जिससे साजिश की टकलें फैल गईं। इसके लिए बॉनजीनो को जिम्मेदार ठहराया गया। टेस्ला के सीईओ मस्क ने 5 जून को सनसनीखेज दावा करते हुए कहा था कि डोनाल्ड ट्रम्प का नाम जेफरी एपस्टीन की फाइलों में शामिल है। मस्क ने एक्स पर लिखा था- अब बड़ा खुलासा करने का टाइम है।

राहुल गांधी पर भड़के धर्मेंद्र प्रधान, ओडिशा की संस्कृति के अपमान का लगाया आरोप, माफी की मांग

एजेंसी

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओडिशा पर की गई हालिया टिप्पणी की आलोचना की और उन पर अपनी यात्रा के दौरान राज्य की संस्कृति और परंपराओं का अपमान करने का आरोप लगाया। प्रधान ने कहा कि नए आरोप लगाने के बजाय, गांधी को ओडिशा के लोगों से कांग्रेस पार्टी द्वारा अतीत में किए गए अपमान के लिए माफी मांगनी चाहिए थी। उन्होंने कांग्रेस सांसद पर भगवान जगन्नाथ के सम्मान में चढ़ाए जाने वाले पारंपरिक वस्त्र, पवित्र 'खंडुआ पाटा' का अनादर करने का भी आरोप लगाया। पत्रकारों से बात करते हुए प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी इतने ज्ञानी नहीं हैं। वह वही बोलते हैं जो उनकी टीम उनके लिए लिखती है। मुझे अच्छा लगता अगर उन्होंने ओडिशा के लोगों से माफी मांगी होती, क्योंकि उनकी पार्टी ने हमें इतना अपमानित किया है। वह इतने लंबे समय के बाद ओडिशा आए थे, उन्हें वास्तव में उड़िया लोगों से माफी मांगनी चाहिए थी। इसके बजाय, उन्होंने अपने अहंकार का एक और उदाहरण दिया। जो भी ओडिशा आता है, उसे महाप्रभु

पत्रकारों से बात करते हुए प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी इतने ज्ञानी नहीं हैं। वह वही बोलते हैं जो उनकी टीम उनके लिए लिखती है। मुझे अच्छा लगता अगर उन्होंने ओडिशा के लोगों से माफी मांगी होती, क्योंकि उनकी पार्टी ने हमें इतना अपमानित किया है।

जगन्नाथ के आशीर्वाद के रूप में 'खंडुआ पाटा' चढ़ाया जाता है। जब राहुल गांधी ने 'खंडुआ पाटा' हटाकर अलग रख दिया, तो इससे पता चलता है कि उन्हें हमारी संस्कृति और परंपराओं के बारे में जरा भी ज्ञान और सम्मान नहीं है। ये सिर्फ.नाटकबाजी है। शुक्रवार को, राहुल गांधी ने ओडिशा सरकार पर गरीबों का पैसा लूटने का आरोप लगाया था और आरोप लगाया था कि उद्योगपति गौतम अडानी राज्य चला रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि अडानी और उनके परिवार के लिए भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा रोक दी गई। इस बीच, धर्मेंद्र प्रधान भुवनेश्वर के आरडी विश्वविद्यालय में प्रख्यात लेखिका विद्युतप्रभा देवी के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में ओडिशा के उच्च शिक्षा मंत्री सूर्यवंशी सूरज और भाजपा के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला बिल्डिंग गिरी, 6 की मौत

कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

मौके पर दिल्ली पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ की टीम राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई है. एनडीआरएफ की टीमें विशेष उपकरणों से मलबा हटाकर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रही हैं. रेस्क्यू टीम अपना काम कर रही है. अभी फिलहाल 9 लोग निकल गए हैं. जिसमें से 6 लोग जग प्रवेश हॉस्पिटल एक 14 महीने का बच्चा जीटीबी अस्पताल में इलाज किया जा रहा है.

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के वेलकम इलाके में शुक्रवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया. जब जनता मजदूर कॉलोनी में एक चार मंजिला बिल्डिंग अचानक धराशायी हो गई. बताया जा रहा है कि यह हादसा सुबह करीब 7 बजे हुआ, जब अधिकतर लोग अपने काम पर जाने की तैयारी कर रहे थे. दमकल की 7 गाड़ी मौके पर बचाव कार्य में जुटी. इस हादसे में अबतक छह लोगों की मौत की खबर है. जबकि कई लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है.

अभी कई लोगों के और फंसे होने की संभावना है. जिसके लिए रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है.

दिल्ली के वेलकम इलाके में चार मंजिला बिल्डिंग गिरी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बिल्डिंग में करीब 15 लोगों के होने की संभावना थी. हादसे के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने बिना देर किए राहत कार्य शुरू कर दिया. अब तक मलबे से तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जिन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है.

घायलों को भेजा गया अस्पताल

एडिशनल डीसीपी ईस्ट संदीप लाबा ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन सुबह सही चालू है 7:02 की कॉल थी और रेस्क्यू ऑपरेशन चलते-चलते करीबन 3 घंटे हो चुके हैं अभी भी तीन से चार लोगों के बने की आशंका है कुल मिला के साथ लोगों को निकाला जा चुका है जिसमें से 6 लोगों को सरकारी हॉस्पिटल जग प्रवेश में भर्ती कराया गया है और एक बच्चा जो 14 महीने का है उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है जिसको जग प्रवेश हॉस्पिटल से रेफर कर कर गुरु तेग बहादुर अस्पताल भेज दिया गया है.

काफी पुरानी थी बिल्डिंग

स्थानीय लोगों ने बताया कि यह बिल्डिंग काफी पुरानी थी और कुछ हिस्सों में दरारें भी नजर आती थीं. हादसे के बाद आसपास के लोगों में डर का माहौल है. पुलिस ने इलाके को चारों तरफ से घेर लिया है और लोगों को सुरक्षित दूरी पर रहने की सलाह दी है.

23 नक्सलियों का आत्मसमर्पण

1 करोड़ 18 लाख के इनामी, खूंखार नक्सली हिड़मा के बटालियन नंबर 1 के भी नक्सली शामिल – सरेंडर 8 लाख का इनामी नक्सली लोकेश सुकमा कलेक्टर के अपहरण में भी शामिल था.

एजेंसी

सुकमाः छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से नक्सल उन्मूलन की दिशा में एक और बड़ी सफलता सामने आई है. जिले में सक्रिय विभिन्न स्तर के कुल 23 नक्सलियों ने औपचारिक रूप से पुलिस और अर्धसैनिक बलों के वरिष्ठ अधिकारियों के समक्ष समाज की मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लेते हुए आत्मसमर्पण कर दिया है. इनमें 1 करोड़ 18 लाख रुपये के इनामी नक्सली भी शामिल हैं. आत्मसमर्पण करने वालों में 9 महिला और 14 पुरुष नक्सली शामिल हैं. जिनमें 3 नक्सली दंपत्ति भी हैं. हिड़मा की बटालियन नंबर 1 के भी नक्सलीः सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि 23 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है.

11 नक्सली 8 लाख के इनामी हैं, इनमें लोकेश डीवीसीएम हैं और अन्य 8 नक्सली हिड़मा की बटालियन नंबर 1 के हैं. लोकेश कई बड़ी नक्सली घटनाओं में शामिल रहा है. वह साल 2012 के सुकमा कलेक्टर के अपहरण केस में भी शामिल था. पुलिस अधिकारी ने कहा कि बड़ी संख्या में नक्सलियों का सरेंडर ये बताता है कि हिड़मा की बटालियन लगातार कमजोर हो रही है और बटालियन नंबर 1 के नक्सली लगातार भाग रहे हैं. कौन है लोकेशः लोकेश उर्फ पोडियामी भीमा, दक्षिण सब जोनल ब्यूरो सप्लाई टीम कमाण्डर/ है. वह 8 लाख का इनामी है. वह सुकमा जिले के गोलापल्ली थाना के पोलमपल्ली का निवासी है.

कोचिंग सेंटर अब बन गए हैं पोचिंग सेंटर : उपराष्ट्रपति धनखड़

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले- अपनी शिक्षा को इतना कलंकित नहीं होने दे सकते

जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं। ये प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। यह हमारे युवाओं के लिए खतरा है, जो हमारा भविष्य हैं। हमें इस दुर्भावना को दूर करना होगा जो बेहद चिंताजनक है।

एजेंसी

कोटा स्थित कोचिंग उद्योग पर निशाना साधते हुए, उपाध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं और सीमित दायरे में सिमटी प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। राजस्थान के कोटा स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईआईटी) के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए, धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटरों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह हमारे युवाओं, जो हमारा भविष्य हैं, के लिए खतरा है। हमें इस चिंताजनक कुरूपता का समाधान करना होगा। हम अपनी

शिक्षा को इतना कलंकित नहीं होने दे सकते। जगदीप धनखड़ ने कहा कि कोचिंग सेंटर पोचिंग सेंटर बन गए हैं। ये प्रतिभाओं के लिए ब्लैक होल बन गए हैं। कोचिंग सेंटर कुकुरमुत्ते की तरह उग रहे हैं। यह हमारे युवाओं के लिए खतरा है, जो हमारा भविष्य हैं। हमें इस दुर्भावना को दूर करना होगा जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि हम अपनी शिक्षा को इतना कलंकित और कलंकित नहीं होने दे सकते। अखबारों में होर्डिंग और विज्ञापनों में पैसा बहाया जाता है। यह पैसे का इष्टतम उपयोग नहीं है, और ये विज्ञापन आकर्षक तो हैं, लेकिन ये हमारी सभ्यतागत प्रकृति के लिए आँखों में खटकते हैं। शिक्षा को असेंबली लाइन की तरह मानने के विचार का विरोध करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इस असेंबली लाइन संस्कृति को रोका जाना चाहिए तथा उन्होंने इसे शिक्षा के भविष्य के लिए खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि अखबारों में होर्डिंग और विज्ञापनों पर पैसा बहाया जाता है। यह पैसा उन लोगों से आता है जो या तो कर्ज. लेते हैं या अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए कड़ी मेहनत से बचत करते हैं। यह धन का इष्टतम उपयोग नहीं है। ये विज्ञापन आकर्षक तो हैं, लेकिन हमारी सभ्यतागत मान्यताओं के लिए आँखों में धूल झोंकते हैं। अंकों के प्रति जुनून पर बोलते हुए, धनखड़ ने कहा कि उत्तम ग्रेड और मानकीकृत अंकों की चाहत ने जिज्ञासा को कमजोर कर दिया है